राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 16 मई 2025 वर्ष-8,अंक-86 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

500 करोड़ के बांके बिहारी कॉरिडोर को सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी

450 करोड़ मंदिर के खजाने से लिया जाएगा, जमीन देवता के नाम पर रजिस्टर्ड होगी

मथुरा (एजेंसी)। बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर बनाने को लेकर रास्ता साफ हो गया है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने कॉरिडोर बनाने की मंजूरी दे दी। अब 5 एकड़ में भव्य कॉरिडोर बनाया जाएगा। कोर्ट ने यूपी सरकार को मंदिर के 500 करोड़ रुपए से कॉरिडोर के लिए मंदिर के पास 5 एकड़ जमीन अधिगृहीत करने की इजाजत दी है। साथ ही शर्त लगाई कि अधिगृहीत भूमि देवता के नाम पर पंजीकृत होगी। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को भी संशोधित किया। हाईकोर्ट ने मंदिर के आसपास की भूमि को सरकारी धन का उपयोग करके खरीदने पर रोक लगा दी थी।

बांके बिहारी कॉरिडोर को लेकर हाईकोर्ट के आदेश के बाद सुप्रीम कोर्ट में ईश्वर चंद्र शर्मा ने याचिका दाखिल की थी। इसमें दो मुद्दे रखे गए थे। पहला- रिसीवर को लेकर और दूसरा- कॉरिडोर निर्माण को लेकर। इन दोनों मुद्दों पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश जारी किया। बांके बिहारी कॉरिडोर बनाने के लिए प्रदेश सरकार मंदिर के खजाने की राशि से कॉरिडोर के लिए जमीन खरीदना चाहती थी। लेकिन, इसका मंदिर के गोस्वामियों ने विरोध किया और मामला हाइकोर्ट पहुंच गया। हाइकोर्ट ने मंदिर के खजाने की राशि के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। इसके बाद याचिकाकर्ता ईश्वर चंद्र शर्मा सुप्रीम कोर्ट पहुंचे और कॉरिडोर को लेकर याचिका दाखिल की। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिए आदेश में कहा कि मंदिर के खजाने से कॉरिडोर की जमीन खरीदने के लिए पैसा लिया जा सकेगा। सरकार को जमीन मंदिर के नाम लेनी होगी। सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट सार्थक चतुर्वेदी ने बताया कि सिर्फ जमीन खरीदने के लिए सरकार बांके बिहारी मंदिर के खजाने से पैसा ले सकती है।

500 करोड़ रुपए से बनेगा कॉरिडोर

बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर बनाने के लिए 500 करोड़ रुपए खर्च होगा। यह खर्च भूमि अधिग्रहण के लिए किया जाएगा। बांके बिहारी मंदिर के खजाने में करीब 450 करोड़ रुपए हैं। इसी धनराशि से कॉरिडोर के लिए जमीन खरीदी जाएगी। इसके साथ ही जिनके मकान और दुकान आएंगे, उनको मुआवजा दिया जाएगा।

मंदिरों में अधिवक्ता नहीं बन सकेंगे रिसीवर

गुरुवार को दिए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि मथुरा वृंदावन के मंदिरों में अब अधिवक्ता रिसीवर नहीं बन सकेंगे। एक ऐसा रिसीवर नियुक्त किया जाए जो मंदिर के प्रबंधन से जुड़ा हो, जिसका धार्मिक झुकाव हो। वेदों, शास्त्रों

का अच्छी तरह से ज्ञान रखता हो। साथ ही वैष्णव संप्रदाय से जुड़ा हुआ हो। जिला प्रशासन और अधिवक्ताओं को मंदिर प्रबंधन से दूर रखा जाना चाहिए। यह आदेश सुप्रीम कोर्ट की डबल बेंच न्यायाधीश बेला त्रिवेदी और सतीश चंद्र शर्मा ने दिया।

पाकिस्तान ने दिया संकेतः भारत के साथ सिंधु जल संधि पर बातचीत के लिए तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। गत 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर भारत द्वारा 1960 की सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को स्थगित करने के कुछ सप्ताह बाद, पाकिस्तान ने इस संधि के बारे में नई दिल्ली की दीर्घकालिक चिंताओं पर चर्चा करने की इच्छा का संकेत दिया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान के जल संसाधन सचिव सैयद अली मुर्तजा ने संधि के निलंबन पर भारत सरकार की औपचारिक अधिसूचना का जवाब दिया है। अपनी भारतीय समकक्ष देवश्री मुखर्जी को लिखे पत्र में, मुर्तजा ने नई दिल्ली द्वारा उठाई गई विशिष्ट आपत्तियों पर चर्चा करने के लिए अपनी सरकार की तत्परता व्यक्त की। उन्होंने भारत के कदम के कानूनी आधार पर भी सवाल उठाया कि संधि में कोई निकास संबंधी खंड नहीं है। हालांकि, भारत सरकार अपने फैसले पर अड़ी हुई है। जल शक्ति मंत्रालय के अधिकारियों से जब संपर्क किया गया तो उन्होंने इस घटनाक्रम पर आधिकारिक रूप से टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, लेकिन सरकारी सूत्रों ने संकेत दिया कि मौजूदा परिस्थितियों में, भारत की स्थिति में बदलाव की संभावना नहीं है। सूत्रों ने दोहराया कि संधि को निलंबित करने का निर्णय 'जम्मू कश्मीर को लगातार निशाना बनाकर सीमा पार से होने वाले आतंकवाद' के कारण लिया गया था। गत 24 अप्रैल को लिखे पत्र में मुखर्जी ने मुर्तजा को सूचित किया था कि 'संधि के तहत प्रस्तावित वार्ता में शामिल होने से पाकिस्तान का इनकार और आतंकवाद को लगातार प्रायोजित करना संधि का उल्लंघन है।'

अगले 3 से 4 दिन में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा, कई जगह होगी तेज बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली एनसीआर समेत देश के कई हिस्सों में गुरुवार को मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिला, इस दौरान कुछ इलाके में आंधी और धूल नजर आई। इसी बीच अब देशभर में मानसून की दस्तक होने वाली है। अगले 3 से 4 दिन में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के अनुसान दक्षिण-पश्चिम मानसून गुरुवार दक्षिण-पूर्व अरब सागर, मालदीव और कोमोरिन क्षेत्र के कुछ हिस्सों और बंगाल की खाड़ी के दक्षिण, अंडमान द्वीप और अंडमान सागर के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ गया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 3 दिनों के दौरान आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। दक्षिण अरब सागर के कुछ और हिस्सों, मालदीव और कोमोरिन क्षेत्र में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। अगले 3-4 दिनों के दौरान दक्षिणी बंगाल की खाड़ी, अंडमान द्वीप समूह के शेष भाग और अंडमान सागर और मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ भागों में भारी वर्षा होने की संभावना है। अगले 5 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में गरज और बिजली केसाथ भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। जबकि अगले 3 दिनों के दौरान आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। 16 -19 मई के दौरान पश्चिमी राजस्थान में 16 -18 मई के दौरान उत्तर प्रदेश में और 16 मई 2025 को बिहार में लू चलने की संभावना है।

शरद पवार, अजीत पवार और देवेंद्र फडणवीस के बीच पक रही है खिचड़ी

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी (शरद पवार गुट) और एनसीपी (अजीत पवार गुट) के बीच दूरियां अब कम होती नजर आ रही हैं। दोनों नेताओं की हालिया मुलाकातें और मंच साझा करना राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर चुका है। चर्चा है कि दोनों गुट एक बार फिर एकजुट हो सकते हैं। राउत ने हाल ही में कहा कि अगर वे हमारे साथ आते हैं तो अच्छा है। नहीं आते तो भी हम रुकेंगे नहीं। तानाशाही के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा। यह कमजोर दिल वालों का काम नहीं है। उन्होंने संकेत दिया कि शरद पवार, अजीत पवार और देवेंद्र फडणवीस के बीच कोई त्रिपक्षीय समझौता हो सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पलटे, कहा - मैंने भारत-पाकिस्तान के साथ कोई मध्यस्थता नहीं कराई

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के साथ कोई मध्यस्थता नहीं कराई। उनका कहना है कि इस संघर्ष विराम को लेकर उन्होंने मदद जरूर की है। इससे पहले उन्होंने कहा था कि व्यापार का दवाब डालकर उन्होंने भारत और पाकिस्तान को संघर्ष विराम के लिए राजी किया।उनके इस बयान पर भारत में राजनीतिक घमासान तेज हो गया था। विपक्ष दलों का आरोप था कि नरेंद्र मोदी सरकार ने अमेरिका के दबाव में आकर यह संघर्ष विराम किया। उसका कहना था कि कश्मीर मसले पर यह भारत के आधिकारिक रवैये के खिलाफ है।

भारत ने तुर्किये की कंपनी सेलेबी एयरपोर्ट सर्विस का सिक्योरिटी क्लियरेंस रद्द किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की मदद करने वाले तुर्किये, चीन, अजरबैजान जैसे देशों के खिलाफ भारत में माहौल बनने लगा है। कई लोग तुर्किये और अजरबैजान जैसे देशों की यात्रा रद्द कर रहे हैं। जेएनयू, जामिया सहित देश की कई प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ने तुर्किये के साथ हुए समझौते को रद्द कर दिया है। इस बीच अब भारत ने तुर्किए पर एक और बड़ा एक्शन लिया है। भारत ने तुर्किये की कंपनी सेलेबी एयरपोर्ट सर्विस का सिक्योरिटी क्लियरेंस रद्द कर दिया है।

गुरुवार शाम नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एक आदेश में कहा गया कि सेलेबी ग्राउंड हैंडलिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सुरक्षा मंजूरी राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में तत्काल प्रभाव से रद्द की जाती है।

यह तुर्किये की किसी फर्म के खिलाफ भारत का पहला खुला कदम है। पिछले कुछ सालों से सरकार ने तुर्किये के पारंपरिक विरोधियों और विरोधियों - ग्रीस, आर्मेनिया, साइप्रस और सऊदी अरब और अरब ब्लॉक में संयुक्त अरब अमीरात के साथ अपने संबंधों को बढ़ाया है।

दलित, पिछड़े, अति पिछड़े और आदिवासी के खिलाफ 24 घंटे इस देश में अत्याचार होता है: राहुल गांधी

दरभंगा (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अपनी एक दिवसीय बिहार यात्रा के क्रम में गुरुवार को दरभंगा पहुंचे। यहां उन्होंने 'शिक्षा न्याय संवाद' में जुटे छात्रों को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि इस देश में दलित, पिछड़े, अति पिछड़े और आदिवासी के खिलाफ 24 घंटे अत्याचार होता है, उन्हें दबाया जाता है। आपको शिक्षा के सिस्टम में भी रोका जाता है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सरकार से तीन मांग की हैं। सही तरीके से देशभर में जातीय जनगणना कराई जाए, जैसे तेलंगाना में की गई है। इसके अलावा, उन्होंने निजी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में आरक्षण की बात कही। उन्होंने कहा कि निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की व्यवस्था की जाए। दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा और आदिवासी की संख्या 90 प्रतिशत है, लेकिन आपको दबाकर, डराकर रोका जाता है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि 90 प्रतिशत लोगों के लिए इस देश में कोई रास्ता नहीं है। उन्होंने ब्यूरोक्रेसी की बात करते हुए कहा कि उनमें इनकी संख्या शून्य है। उन्होंने लोगों से एक साथ खड़े होने का आह्वान करते हुए कहा कि हमारी जातीय जनगणना और निजी क्षेत्र में आरक्षण की व्यवस्था की मांग है।

राहुल गांधी ने कहा, 'अभी पुलिस ने हमें रोकने की कोशिश की, लेकिन नहीं रोक पाई, क्योंकि आपकी शक्ति मेरे पीछे है। इसलिए उनको कोई नहीं रोक सकता, जिसके पीछे आपकी ताकत है।'

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जातीय जनगणना कराने और संविधान को माथे से लगाने की बात कही थी। आपके दबाव से प्रधानमंत्री ने जातीय जनगणना कराने की घोषणा की। लेकिन भाजपा लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ है। जातीय जनगणना के खिलाफ है। देश में जो 90 प्रतिशत दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा, अल्पसंख्यक और आदिवासी हैं, भाजपा उनके खिलाफ है। यह अमीरों की सरकार है।

राहुल गांधी ने लोगों को भरोसा देते हुए कहा, 'मैं जानता हूं इन छात्रावासों में क्या होता है। गारंटी देता हूं, जैसे ही देश और बिहार में हमारी सरकार आएगी, हम इस स्थिति को बदल देंगे, जो यहां होना चाहिए, वह करेंगे।'

वक्फ कानून के प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करेगा न्यायालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं में अंतरिम राहत देने के मुद्दे पर 20 मई को विचार करेगा।

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कानून की वैधता को चुनौती देने वालों की ओर से पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से सोमवार तक अपने लिखित नोट्स जमा करने को कहा। प्रधान न्यायाधीश ने याचिकाओं पर सुनवाई स्थगित करते हुए कहा, ''हम अंतरिम राहत के मुद्दे पर ही मंगलवार को विचार करेंगे।''

इस बीच मेहता ने कहा कि किसी भी मामले में केंद्र सरकार का यह आश्वासन है कि किसी भी वक्फ संपत्ति को, जिसमें 'वक्फ बाई यूजर' द्वारा स्थापित संपत्तियां भी शामिल हैं, गैर-अधिसूचित नहीं किया जाएगा। इससे पहले विधि अधिकारी ने यह आश्वासन भी दिया था कि नए कानून के तहत केंद्रीय वक्फ परिषद या राज्य वक्फ बोर्डों में कोई नियुक्ति नहीं की जाएगी।

पीठ ने कहा कि वह 20 मई को 1995 के पिछले वक्फ कानून के प्रावधानों पर रोक लगाने के अनुरोध वाली किसी याचिका पर विचार नहीं करेगी। इससे पहले मामले में पूर्व प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ सुनवाई कर रही थी। वह 13 मई को सेवानिवृत्त हो गए और मामलों को न्यायमूर्ति गवई की अध्यक्षता वाली पीठ को भेज दिया गया।

राजनाथ सिंह ने परमाणु आयुधों को संभालने की पाकिस्तान की क्षमता पर सवाल उठाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीनगर, 15 मई (वेब वार्ता)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को पाकिस्तान के हाथ में परमाणु आयुधों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की निगरानी में लिया जाना चाहिए।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद जम्मू कश्मीर की अपनी पहली यात्रा पर आए रक्षा मंत्री ने सैनिकों से बातचीत में कहा कि इस अभियान ने आतंकी संगठनों और पाकिस्तान में उनके आकाओं को साफ बता दिया कि उन्हें खुद को कहीं भी सुरक्षित नहीं मानना चाहिए।

सिंह ने कहा, ''मैं पूरी दुनिया के सामने यह प्रश्न उठाना चाहता हूं कि पाकिस्तान, जो कि एक दुष्ट और गैर जिम्मेदार देश है, क्या उसके हाथों में परमाणु हथियार सुरक्षित हैं?'' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की निगरानी में लिया जाना चाहिए। आईएईए वैश्विक परमाणु आयुध निगरानी संस्था है। सिंह जम्मू कश्मीर में, खासतौर पर नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए यहां पहुंचे हैं। अधिकारियों ने बताया कि सेना के शीर्ष अधिकारी रक्षा मंत्री को मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराएंगे। सिंह ने इस अवसर पर जवानों को संबोधित करते हुए कहा, ''भारत कभी युद्ध का पक्षधर नहीं रहा, लेकिन जब हमारी

संप्रभुता पर हमला होगा तो हम जवाब देंगे।'' उन्होंने कहा कि आतंकवाद को लेकर भारत के साथ धोखाधड़ी के लिए पाकिस्तान भारी कीमत चुका रहा है और अगर आतंकवाद जारी रहा तो यह कीमत बढ़ती जाएगी। सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को आतंकवाद के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी कार्रवाई करार देते हुए कहा कि भारत ने पूरी दुनिया को साफ बता दिया है कि हम आतंकवाद के खिलाफ किसी भी हद तक जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में पाकिस्तान की छाती पर चोट पहुंचाई गई और उसके जख्मों का एकमात्र इलाज आतंकी संगठनों को पनाह देना बंद करना तथा अपनी जमीन का इस्तेमाल भारत के खिलाफ नहीं होने देना ही है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत पिछले 35-40 साल से सीमापार आतंकवाद का सामना करता रहा है। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले को अंजाम देकर भारत के मस्तक को चोट पहुंचाने और देश की सामाजिक एकता को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई। सिंह ने कहा कि पाकिस्तान ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी से कहा था कि भारत में अब और आतंकवाद नहीं फैलाया जाएगा, लेकिन उसने भारत के साथ धोखा किया और आज भी धोखेबाजी कर रहा है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति को स्पष्ट रूप से पुन-रेखांकित किया है, जिसमें कहा गया है कि किसी भी आतंकवादी हमले को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में छिपे आतंकी और उनके आका अब भारतीय बलों के निशाने पर हैं। रक्षा मंत्री श्रीनगर में भारतीय सेना की 15 कोर में समग्र स्थिति के साथ-साथ अग्रिम पंक्ति के सैनिकों की युद्ध तैयारियों की समीक्षा भी करेंगे।

कश्मीर में पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने छह-सात मई की रात को पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ढांचों पर सटीक हमले किए, जिसके बाद पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया। पाकिस्तानी कार्रवाइयों का भारतीय पक्ष ने कड़ा जवाब दिया। भारतीय सेना ने 26 सैन्य ठिकानों पर हमला करने के पाकिस्तान के प्रयासों के जवाब में 10 मई को मिसाइलों और अन्य लंबी दूरी के हथियारों से आठ पाकिस्तानी हवाई ठिकानों को निशाना बनाया।

कर्नल सोफिया कुरैशी बयान कांडः आरोपी मंत्री विजय शाह एफआईआर दर्ज होने के बाद हरसूद गेस्ट हाउस से हुए गायब, पुलिस कर रही तलाश

इन्दौर भारत माता की बेटी और आपरेशन सिंदूर के चलते देश भर में प्रशंसा पा रही कर्नल सोफिया कुरैशी के संदर्भ के साथ मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री विजय शाह के महू भाजपा विधायक उषा ठाकुर की उपस्थित मे आयोजित एक कार्यक्रम में मंच से बेहद आपत्तिजनक बयान का विडियो वायरल होने के बाद उनका बयान राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया की सुर्खियां बन गया और विजय शाह के खिलाफ देशभर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। मामले में मध्यप्रदेश हाइकोर्ट ने स्वतः संज्ञान ले डीजीपी मध्यप्रदेश को चार घंटे में कर्नल सोफिया के खिलाफ आपत्तिजनक और अनर्गल टिप्पणी करने वाले मंत्री पर एफआईआर करने के आदेश दे दिए जिसके चलते मंत्री विजय शाह पर कल देर रात मानपुर थाने में एफआईआर दर्ज हो गई।

मां की सरेंडर की अपील पर आंतकी आमिर ने कहा,

नहीं अम्मी, अब वापसी नहीं

इस वीडियो ने आतंक की बर्बरता को दुनिया के सामने ला दिया

श्रीनगर (एजेंसी)। पुलवामा जिले के त्राल इलाके में गुरुवार को हुए एनकाउंटर ने फिर आतंक की बर्बरता को दुनिया के सामने ला दिया। सुरक्षाबलों से घिरे आतंकी आमिर नजीर वानी ने मुठभेड़ से पहले अपनी मां को वीडियो कॉल की। वीडियो में देख सकते हैं कि आमिर की मां उससे आत्मसमर्पण करने की गुहार लगाती हैं, लेकिन आमिर हथियार नहीं डालता। कुछ घंटों बाद मुठभेड़ में मारा गया।

त्राल के नादिर गांव में सुरक्षाबलों ने 3 आतंकवादियों को मार गिराया। मारे गए आतंकियों की पहचान आसिफ अहमद शेख, आमिर नजीर वानी और यावर अहमद बट्ट के रूप में हुई है, जो स्थानीय निवासी थे और आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हुए थे। एनकाउंटर से पहले का 23 सेकंड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, इसमें आमिर एके-47 के साथ मां और बहन से वीडियो कॉल पर बात करता दिख रहा है। मां बार-बार आंतकी से कहती हैं, सरेंडर कर दो बेटा, जान बच जाएगी,' लेकिन आमिर ने जवाब में कहा, 'नहीं अम्मी, अब वापसी नहीं।'

सेना ने बताया कि आतंकियों को आत्मसमर्पण का पूरा मौका दिया गया था। ड्रोन कैमरे से आतंकियों की मौजूदगी की पुष्टि के बाद भी बार-बार अपील की गई, लेकिन आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। त्राल मुठभेड़ से ठीक दो दिन पहले, शोपियां के केलर इलाके में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकियों को मार गिराया गया था। उस ऑपरेशन को 'ऑपरेशन केलर' नाम दिया गया था। मारे गए आतंकियों में शाहिद कुट्टे और अदनान शफी डार के नाम शामिल हैं, जो स्थानीय राजनीतिक हत्याओं और मजदूरों पर हमलों में शामिल थे।

पीएम मोदी की नकल कर रहे शहबाज, पहुंचे सियालकोट एयरबेस

सियालकोट (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के दिमाग की बत्ती उस समय जली जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर के तुरंत बाद पंजाब के आदमपुर एयरबेस पर पहुंचे और देश की रक्षा में लगे सैनिकों से मिले। प्रधानमंत्री की तस्वीरें जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी तो पड़ोसी देश पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ की नींद भी टूटी और वो बिना देरी किए सियालकोट और पस्रूर में स्थित सेना के एयरबेस पर सैनिकों से मिलने पहुंच गए। इन एयरबेस को भारत की जवाबी कार्रवाई के दौरान खूब नुकसान पहुंचा है।

भारतीय सेना के पराक्रम के बाद पाकिस्तानी सेना के चीफ जनरल आसिम मुनीर की बोलती बंद हो गई। अगले ही दिन सुबह पाकिस्तान ने डीजीएमओ स्तर पर बातचीत शुरू कर सीजफायर का ऐलान कर दिया। शहबाज शरीफ की सियालकोट और पस्रूर एयरबेस यात्राएं यह दर्शाती हैं कि पाकिस्तान भारत के सैन्य संदेशों को हल्के में नहीं ले सकता। ये बेस हाल ही के संघर्ष के बाद जर्जर हो गया है। शरीफ की सेना प्रमुख और रक्षा मंत्री के साथ की गई यात्रा केवल आंतरिक एकजुटता दिखाने का प्रयास है। मोदी ने यह स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की नई नीति है, और इसे सिर्फ रोका गया है, खत्म नहीं किया गया।

घबराए-घबराए से नजर आ रहे शहबाज

जबसे भारत ने ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत की है पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ कुछ घबराए-घबराए से नजर आ रहे हैं। राष्ट्र के नाम संबोधन में भी शरीफ के चेहरे पर भारतीय फौज का डर साफ नजर आया था। इसी तर्ज पर अब वो पीएम मोदी को कॉपीकैट करते हुए पाकिस्तानी एयरबेस पर जरूर पहुंचे लेकिन चेहरे पर वही तनाव एक बार फिर नजर आया। शहबाज शरीफ जब सेना के जवानों से मिलने पहुंचे तो उनके साथ असिम मुनीर, उप प्रधानमंत्री इशाक डार, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ और अन्य भी शामिल थे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने सियालकोट एयर बेस पर पीएएफ कर्मियों से भी मुलाकात की। हालांकि पीएम मोदी जब आदमपुर एयरबेस पर नजर आ रहे थे तो उनके पीछे बैकग्राउंड में राफेल विमान और एस-400 तैनात दिख रहा था। जो यह सीधा संकेत था कि पाकिस्तान जिस एस-400 सिस्टम और राफेल विमान को गिराने का दावा कर रहा है, वो पूरी तरह झूठा और बेबुनियाद है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शांति और धैर्य से देश हमेशा आगे बढ़ेगा

अस्त्रा-शस्त्रों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण सम्पूर्ण विश्व चिंतन के सागर में डूबा हुआ है। इससे बचने के लिये सभी देश, जो स्वयं अपनी सुरक्षा के लिये चिंतित होने पर भी अस्त्रा-शस्त्रा के भंडारण में जुटे हुए होने के बाद भी विश्व शान्ति के लिये निःशस्त्रीकरण का राग अलापते थकनहीं रहे हैं।विध्वंशकारी अस्त्र-शस्त्रों से विनाश की स्थिति को जानते हुए भी कई देशों ने एक-दूसरे देश पर आक्रमण कर विनाश लीला का खुला तांडव खेला है। जिसके दुष्परिणामों ने असंख्य इन्सानों की जान ली है।

(लेखक-संजय गोस्वामी)

ऑपरेशन सिंदूर मे भारत के प्रधानमंत्री जी का संदेश सुना और बताया कि आतंकवादी व पिओके पर ही पाकिस्तान पर बात होगी और भारतीय सेनानी को इसका श्रेय जाता है बहुत ही अच्छा संदेश राष्ट्र के नाम और कल होकर सैनिकों से मिलना भी भारत के शानदार सफलता का प्रतिक है इसमें भारत के वैज्ञानिकों का भी कहीं ना कहीं उनकी टेक्नोलॉजी के ऊपर भी गर्व है जिसमें इसरो डीआरडीओ,डीएई आदि जैसे श्रेष्ठ वैज्ञानिक संस्थान भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है भारत ने जो ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान में फैले आतंकवादी के लिए किया और भारतीय सेनाओं की मेहनत और लोगो की एकजुटता थी इस सन्दर्भ में एल ओसी पर 50निर्दोष लोग भी मारे गए है पाकिस्तान को चाहिए था ऑपरेशन सिंदूर के बाद शांति से बैठना चाहिए क्योंकि ऐ आतंकवादी पर अटैक था पाकिस्तान पर नहीं लेकिन जबाबी कार्यवाही में उसे नुकसान उठाना पड़ा है लेकिन यह खबर सही नहीं है कि उनके परमाणु सयंत्र पर कोई अटैक हुआ हो ऐ सब न्यूज़ में बेकार की खबरें हैं इसलिए इस मुद्दे पर कुछ भी कहना सही नहीं है क्योंकि जब भी दो देश परमाणु संपन्न रहते हैं तो वो एक से दूसरे देश पर प्रतिस्ठानो की सूची देते हैं और एक एग्रीमेंट होता है कि एक देश दूसरे देश पर परमाणु सयन्त्र पर हमला नहीं करेंगे सोशल मीडिया को इस खबर से बचना चाहिए इसको रोकना चाहिए मीडिया को अब शांति से काम लेना चाहिए क्योंकि जो भी परमाणु सयंत्र होता है वो ऐसा बनाया जाता है कि उसमें भूकंप होने पर भी कोई असर ना हो और जहाँ तक रेडियोएक्टिव रिसाव की बात है वो तो हवा में जायेगा अतः ऐ बाद में आस पास के कहीं भी जगह फैल सकता है इसपर आई ए ई ए की कड़ी निगरानी रहती है और जहाँ परमाणु प्लांट रहता है वहाँ अलार्म सिस्टम भी होता है जो हो गया सो हो गया एक दूसरे पर वार और हार पर शांत रहना चाहिए सेना पर विश्वास रखना चाहिए धर्म के नाम पर बहुत से देश इसका समर्थन कर दे देते हैं हमारे सभी धर्मों के लोग भारत के समर्थन में रहें और देश की एकता से ही सबों में भय दूर होगा और एक ही धर्म है भारतवासी अपने मात्रभूमि के लिए लड़ना और मरना, अतः संयम और शांति से देश की प्रगति में सभी योगदान दें विज्ञान की प्रगति के साथ विश्वभर में चारों ओर विकास ने नई करवट ली है। देश के पास परमाणु अस्त्रओं का भंडार है ऐ आपकी सुरक्षा के लिए जरुरी है लेकिन जब तब कोई देश ने आप पर परमाणु हमला करता तब एटम बम के विस्फोट से रेडिशन फ़ैल जाएगा और इसका खामियाजा उन देशों को रेडीएशन की मार से कैंसर, शारीरिक विकृति के शिकार हो सकते हैं इससे सिर्फ आस पास के देश ही नहीं बल्कि पूरा विश्व वैश्विक तापन की मार झेल सकता है क्योंकि परमाणु अस्त्र के विस्फोट से ओजोन परत इस कदर से नाश होगा कि पूरा विश्व ही ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव से प्रभावित होगा.इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है आज सारे देश में हथियार खरीदने की होड़ लगी है इसे रोकना चाहिएएइस कारण नित्य नये-नये घातक अस्त्रा-शस्त्रों का निर्माण हो रहा है जो कभी भी विनाश के कारण बन सकते हैं। अस्त्रा-शस्त्रों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण सम्पूर्ण विश्व चिंतन के सागर में डूबा हुआ है। इससे बचने के लिये सभी देश, जो स्वयं अपनी सुरक्षा के लिये चिंतित होने पर भी अस्त्रा-शस्त्रा के भंडारण में जुटे हुए होने के बाद भी विश्व शान्ति के लिये निःशस्त्रीकरण का राग अलापते थकनहीं रहे हैं।विध्वंशकारी अस्त्र-शस्त्रों से विनाश की स्थिति को जानते हुए भी कई देशों ने एक-दूसरे देश पर आक्रमण कर विनाश लीला का खुला तांडव खेला है। जिसके दुष्परिणामों ने असंख्य इन्सानों की जान ली है। वहाँ अनगिनत देश की समृद्धि की झलक दिखाने वाले निर्माण कार्यों को विध्वंश कर दिया है। चारों ओर तबाही मचाने में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी है। विकास को विनाश में बदल दिया है। इस आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये सभी अपने देश में शान्ति, खुशहाली, समृद्धि के पक्ष में निःशस्त्रीकरण की फिराक में रहते हैं और इसके लिए सभी देशों का जन समर्थन जुटाने में कटिबद्ध हैं। क्योंकि सभी को विनाश का खतरा सामने दिखाई देता है। आज दुनिया परमाणु युद्ध की तरफ बढ़ रहा है इसके परिणाम हम सभी जानते हैं 76 साल पहले 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर दुनिया का पहला परमाणु बम हमला किया था. इसके तीन दिन बाद जापान के ही नागासाकी शहर पर दूसरा परमाणु बम गिराया गया. दोनों शहर लगभग पूरी तरह तबाह हो गए. डेढ लाख से अधिक लोगों की पल भर में जान चली गई और जो बच गए वो अपंग हो गए और आज भी जो बच्चे जन्म लेते हैं वे अपंगता के शिकार होते हैं क्योंकि रेडिएशन का खतरा 100वर्षों या इससे भी अधिक रहता हैव जिसकी मार मासूम लोगों को भुगतना पड़ता हैए इसके लिये सभी देशों को निर्दोष इन्सानों की रक्षा हेतु परमाणु निःशस्त्रीकरण का संकल्प लेने पर जोर दिया है ताकि कभी भी किसी देश पर आक्रमण करने की स्थिति ही नहीं बने। विश्व में अस्त्रा-शस्त्रों की होड़ ही आक्रमणकारी बनाने का माध्यम बनती है। वहाँ इन्सान भी आवेश, आक्रोश,गुस्से, बदले की भावना, किसी को प्रताड़ित करने के उद्देश्य से, किसी का तिरस्कार करने, किसी को दंडित करने के लिये आक्रामक रुख अपनाते हुए आक्रमणकारी होता है तो उसके सामने, सामने वाले के विनाश के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता है। आक्रमणकारी की चाह रहती है कि वह जो आक्रमण कर रहा है वह विफल न हो जावे व परमाणु बम के हमला की आशंका बढ़ जाती है । इस कारण इन्सान-इन्सान में घृणा, द्वेषभाव, ईर्ष्या, दुश्मनी आदि उत्पन्न होती है जो इन्सानों की सुख-शांति, अमनचैन छीनती है। ऐसी आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये और विश्व में शान्ति स्थापित करने हेतु परमाणु निःशस्त्रीकरण पर अधिक बल देना चाहिए। इसी सुख-शान्ति अमन-चैन के साथ एक-दूसरे के प्रति भाईचारे के भाव बनाने के लिए इन्सान को अन्य किसी इन्सान पर आक्रमणकारी नहीं बल्कि सहयोगी बन कर रहने में ही भलाई है। इससे आक्रमणकारी को भी शांति और संतोष मिलता है। बुरे विचार इसके दिल और दिमाग से हट जाते हैं। ऐसी मानसिक शांति पाने के लिये आक्रमणकारी नहीं बनने की सीख आचार्य तुलसी ने देश की आजादी के बाद मानवता आंदोलन चलाकर विश्व को एक नई दिशा दी। मानवता के आधार पर इन्सान यह सोचे कि मैं आक्रमणकारी नहीं बनूं और न ही सहयोग दूंगा। इस दृढ़ संकल्प द्वारा वह शांति का शंखनाद करने में कदापि पीछे नहीं रहेगा। वर्तमान में इसकी महत्ती आवश्यकता है। इसी प्रकार एक-दूसरे देश पर आक्रमण करता है तब अन्य देश आपस में लड़ने वाले किसी एक देश की आक्रामक नीति में भागीदार बनता है, उसे ममदद देता है, सहयोगी के रूप से दुश्मन समझने वाले देश से युद्ध करता है तब वहाँ सर्वत्रा विनाश ही विनाश होने की संभावना बढ़ती है। ऐसी विषम स्थिति में विश्व शांति को कभी भी खतरा उत्पन्न हो सकता है। विनाश की इस स्थिति से अपने को दूर रखने के लिए आक्रामक देश को समर्थन सहयोग नहीं देने का संकल्प अणुव्रतों को आधार मानकर किया जाय तो विश्व शांति की स्थिति बन सकती है और इन्सानों को अकाल मृत्यु, बेमौत मरने से बचाया जा सकता है। वहाँ परिवार और समाज में स्नेह, आत्मीयता,भाईचारे की भावना के साथ सहयोग एवं सहानुभूति कर संकल्प लिया जाय तो इन्सान का जीवन स्वर्गमय बन सकता है। ऐसे इन्सान को सुख, चैन, शान्ति से जीवनयापन करने से कोई रोक नहीं सकता निःशस्त्रीकरण आज की मांग है। इस बात की आवश्यकता है कि उचित निदान द्वारा विश्वजनित मतभेदों को भुलाकर अशांति का माहौल खत्म किया जाए। अतः अब शांति व धैर्य से ही देश में खुशहाली होगी हमें दूसरे देश पर निर्भरता कम करनी चाहिए क्योंकि हमारे देश में टैलेंटेड लोगो की कमी नहीं है.अतः अब सचेत होकर अपने आप को विश्व पटल पर रक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ना है और अब शांति से काम करने की जरुरत है क्योंकि देश की तरक्की हमेशा आतंकमुक्त होकर तकनिकी विकास से ही आगे बढ़ेगा.प्रधानमंत्री जी ने अपने संदेश में जो कहा की बुद्ध की तरह शांति भी चाहिए लेकिन आतंकवादी से निपटने के लिए युद्ध भी चाहिए अतः ऐ संदेश देशहित में है और देश ही सर्वोपरि है।

संपादकीय

चीन के मंसूबे

ऐसे वक्त में जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिये पाक को सबक सिखाया है, चीन प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर पाकिस्तान का समर्थन करता नजर आ रहा है। चीन-पाक की दुरभिसंधि दशकों पुरानी है लेकिन उसकी हालिया करतूतों की टाइमिंग को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वह न केवल पाकिस्तान की सैन्य व आर्थिक मदद ही कर रहा है बल्कि चीनी सरकारी मीडिया भी कुप्रचार व भ्रामक समाचार फैलाने में पाक के साथ खड़ा नजर आ रहा है। अब उसने अपनी नई करतूत अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदलकर उजागर की है। हालांकि, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। लगातार तीसरे साल चीन ने भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदला है। चीन अरुणाचल को जांगनान के नाम से दर्शाता है। वहीं इसे तिब्बत के दक्षिणी हिस्से के रूप में होने का दावा करता है। जैसा कि उम्मीद भी थी, भारत सरकार ने चीन के इन बेतुके दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। नई दिल्ली ने बीजिंग के इस बेतुके-निराधार दावे को सिरे से नकार दिया है। भारत सरकार ने फिर से दोहराया है कि 'अरुणाचल भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था और हमेशा रहेगा।' दरअसल, चिंता की बात यह है कि चीन ने यह करतूत ऐसे समय में की है जब पहलगाम हमले और उसके जवाब में सफल 'ऑपरेशन सिंदूर' के चलते भारत-पाक के बीच तनाव कायम है। निश्चय ही इन स्थितियों में चीन का यह भड़काऊ कदम है। यहां उल्लेखनीय है कि भारतीय उपमहाद्वीप में हाल ही में हुई उथल-पुथल के दौरान पाकिस्तान को उसके सदाबहार दोस्त बीजिंग का भरपूर समर्थन मिला है। जिससे पता चलता है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाने तथा व्यापार-कारोबार बढ़ाने की बात करने वाला चीन भारत के प्रति कैसी दुर्भावना रखता है। भले ही वह वैश्विक संगठनों व मंचों पर भारत के साथ खड़ा होने का दावा करता हो। निस्संदेह, ऐसी घटनाएं हमें सतर्क करती हैं कि चीन के साथ मैत्री संबंधों के निर्धारण के दौरान हमें सजग व सचेत रहना चाहिए। अन्यथा चीन पीठ पर वार करने से नहीं चूकने वाला है। बीते वर्ष विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने व्यंग्यात्मक लहजे में एक सवाल पूछा था, 'अगर आज मैं आपके घर का नाम बदल दूं तो क्या वो मेरा हो जाएगा?' लेकिन निर्विवाद रूप से चीन ने विदेश मंत्री के इस संदेश को नजरअंदाज ही किया है। इतना ही नहीं वह फिर से भौगोलिक क्षेत्रों के नामों के मनमाने मानकीकरण के साथ आगे बढ़ गया है। लेकिन सवाल इस करतूत के समय का है। जाहिर बात है कि बीजिंग ने ऐसा न केवल चुनौतीपूर्ण समय में भारत का ध्यान भटकाने के लिये किया है, बल्कि पाकिस्तान के साथ एकजुटता दिखाने के लिये भी किया है। उस पाकिस्तान को, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कड़ी चेतावनी दी थी। प्रधानमंत्री ने सिर्फ और सिर्फ पाकिस्तान द्वारा कब्जाए कश्मीर पर ही बातचीत करने की बात कही थी। ऐसे में चीन ने अरुणाचल पर अपने क्षेत्रीय दावे से फिर से पाकिस्तान का मनोबल बढ़ाने का कुत्सित प्रयास किया। यह जानते हुए भी उसके दावे निराधार हैं। वहीं दूसरी ओर मोदी सरकार ने चीन के सरकारी मीडिया, खासकर ग्लोबल टाइम्स द्वारा कथित तौर पर फैलाए जा रहे पाकिस्तानी दुष्प्रचार के मामले को गंभीरता ले लिया है।

डेंगू में लापरवाही जिंदगी पर पड़ सकती है भारी

(लेखिका- श्वेता गोयल/)

(राष्ट्रीय डेंगू दिवस (16 मई) पर विशेष)

डेंगू एक ऐसी गंभीर बीमारी है, जिसके चलते हर साल काफी संख्या में लोगों की मौत हो जाती है। अब लगभग हर साल देश के विभिन्न राज्यों के अनेक इलाके डेंगू और वायरल बुखार के कोप से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं और हम इस बेबसी पर केवल आंसू ही बहाते रह जाते हैं। इसीलिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष लोगों में डेंगू को लेकर जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 16 मई को 'राष्ट्रीय डेंगू दिवस' मनाया जाता है। डेंगू के लगातार सामने आते मामलों को देखते हुए डेंगू से बचाव को लेकर अत्यधिक सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि अभी तक इसकी कोई वेक्सीन नहीं बनी है, इसलिए डेंगू से बचाव के उपाय ही सबसे अहम हैं। मानसून के साथ डेंगू और चिकनगुनिया फैलाने वाले मच्छरों के पनपने का मौसम शुरू होता है, इसीलिए इस बीमारी को लेकर लोगों में व्यापक जागरूकता फैलाने के लिए सरकार द्वारा इसके लिए 16 मई का दिन निर्धारित किया गया। डेंगू नामक बीमारी कितनी भयावह हो सकती है, उसका अनुमान इसी पहलू से आसानी से लगाया जा सकता है कि समय से उपचार नहीं मिलने के कारण डेंगू पीड़ित व्यक्ति की मौत भी हो जाती है। पिछले साल देश के विभिन्न राज्यों और विशेषकर उत्तर प्रदेश में डेंगू से पीड़ित हुए कई मरीजों की मौत के आंकड़े इसकी पुष्टि भी करते हैं। वैसे देश में डेंगू का जो प्रकोप देखा जाता रहा है, वह कोई नई बात नहीं है बल्कि प्रतिवर्ष मानूसन के दौरान और उसकी विदाई के बीच डेंगू और मच्छर जनित बीमारियों का बोलबाला बहुत ही सामान्य सी बात है। इसके बावजूद हर साल की वही कहानी और डेंगू के कारण होती सैंकड़ों मौतों के आंकड़े शासन-प्रशासन से लेकर सामुदायिक स्तर पर होती लापरवाही को ही स्पष्ट परिलक्षित करते रहे हैं। चिंता की बात यह है कि अब डेंगू के मामले केवल मौसम विशेष तक ही सीमित नहीं रहमे बल्कि सालभर डेंगू के मामले सामने आते रहते हैं।

तमाम दूसरी बीमारियों की ही तरह डेंगू से बचाव का भी सबसे आसान और कारगर उपाय यही है कि उसकी चपेट में ही न आया जाए और इसके लिए अपेक्षित सावधानियां बरती जाएं। चूंकि डेंगू मच्छरों के कारण फैलता है और मच्छर प्रायः गंदगी और ठहरे हुए पानी में पनपते हैं, इसलिए सबसे जरूरी तो यही है कि डेंगू से बचने के लिए अपने आसपास स्वच्छता का पर्याप्त ध्यान रखा जाए। फिर भी यदि कोई व्यक्ति इस बीमारी की जद में आ जाए तो उसे बिना देर किए अपना उपचार शुरू कर देना चाहिए। यदि समय से सही इलाज नहीं मिले तो डेंगू अमूमन चार-पांच दिनों में ही गंभीर रूप धारण कर लेता है। हालांकि कई बार कुछ मरीजों में यह देखने को भी मिलता है कि डेंगू से पीड़ित व्यक्ति को बुखार आना बंद हो जाता है और ऐसी स्थिति में मरीज और उसके परिजनों को यही लगता है कि मरीज डेंगू से उबर गया है लेकिन ऐसे अधिकांश मामलों में लापरवाही मरीज की जान पर भारी पड़ जाती है।

किसी भी व्यक्ति में डेंगू के शुरूआती लक्षण उभरने के बाद ऐसी विकट परिस्थितियों से सामना न हो, उसके लिए जरूरी है कि लोगों को डेंगू से बचाव के लिए जागरूक करने पर विशेष जोर दिया जाए। दरअसल जानलेवा डेंगू से बचने के लिए सावधानियां और सतर्कता बरता जाना बेहद जरूरी है। डेंगू हो या मच्छर जनित अन्य बीमारियां, उनसे बचने के लिए अपने आसपास के स्थान की समुचित साफ-सफाई करने को अपनी आदतों का हिस्सा बना लेना अत्यंत आवश्यक है। दरअसल अमूमन देखा जाता है कि लोग अपने घरों की साफ-सफाई तो कर लेते हैं किन्तु अपने आस-पड़ोस की उन्हें कोई फिक्र नहीं होती। इस स्तर पर बरती जाने वाली लापरवाही प्रायः बहुत भारी पड़ती है। यदि किसी व्यक्ति को डेंगू हो भी जाए तो सबसे जरूरी है उसकी डाइट पर विशेष ध्यान दिया जाए और उसके इम्यून सिस्टम को सही रखने का भी प्रयास किया जाए। डेंगू के मरीज को संतुलित और पौष्टिक आहार ही दिया जाना चाहिए।

डेंगू के उपचार में बहुत से लोग घरेलू नुस्खों का भी सहारा लेते हैं और इन नुस्खों में तुलसी का उपयोग बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा डेंगू हो जाने पर घरेलू नुस्खों में नारियल पानी एक अच्छा विकल्प है, जिसे शरीर में रक्त कोशिकाओं की कमी को पूरा करने में मददगार माना जाता है। दरअसल नारियल पानी में काफी मात्रा में इलैक्ट्रोलाइट्स के अलावा बहुत सारे खनिज पदार्थ भी होते हैं। डेंगू के उपचार में विटामिन सी से भरपूर वस्तुओं का उपयोग भी बहुत लाभकारी माना गया है, जो शरीर के रोग प्रतिरोधी तंत्र को मजबूत बनाए रखती हैं। इसलिए डेंगू हो जाने पर विटामिन सी से भरपूर फलों का सेवन करना लाभकारी है। बहरहाल, यदि इसके बावजूद मरीज की स्थिति में कोई सुधार नजर नहीं आए या परेशानियां बढ़ती दिखें तो तुरंत अपने चिकित्सक या नजदीकी अस्पताल से सम्पर्क करना चाहिए क्योंकि डेंगू के इलाज में लापरवाही मरीज की जिंदगी पर बहुत भारी पड़ सकती है।

(लेखिका डेढ़ दशक से शिक्षण क्षेत्र से जुड़ी हैं)

(चिंतन-मनन)

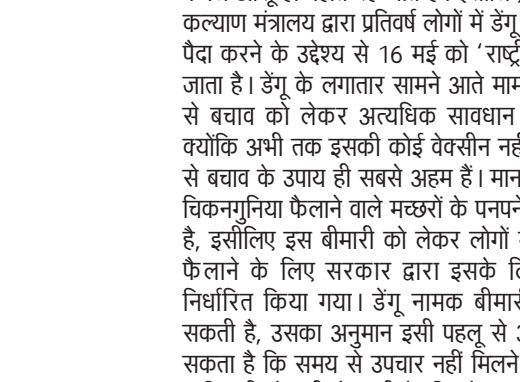

पत्थर की पूजा

संत नामदेव के जीवन से जुड़ी यह चर्चित कथा है। उनके पिता दामाशेट दर्जी थे। वह चाहते थे कि नामदेव उनका कारोबार आगे बढ़ाएं पर नामदेव तो दिन भर मंदिर में कीर्तन करते रहते थे। इससे दामाशेट दुखी रहते थे। एक दिन उन्होंने नामदेव को कपड़ों का एक गट्ठर सौंप दिया और कहा कि इसे वह बाजार में बेच आएं। नामदेव बाजार पहुंचे। वहां गट्ठर सामने रख विट्ठल के ध्यान में मग्न हो गए। सभी की कमाई हुई, पर नामदेव खाली ही रहे।

वहीं पास में खेत में कुछ पत्थर पड़े थे। उन्होंने पत्थरों को कपड़ों से ढक दिया और एक बड़े पत्थर से कहा कि आठ दिन बाद फिर आऊंगा, पैसे दे देना, ताकि पिता को हिसाब दे सपूं। पिता ने पूछा तो कहा कि आठ दिन बाद पैसे मिलेंगे। आठ दिन बाद नामदेव उस बड़े पत्थर के पास गए। पैसे मांगने लगे। पर वह कहां से देता! उन्होंने गुस्से में उसे उठाया और पंढरपुर के विट्ठल मंदिर ले आए। बोले- यहीं बापू को जवाब दे देना। दामाशेट बौखला रहे थे- कपड़ों के बदले पत्थर! नजदीक आकर देखा तो वह पूरा पत्थर सोने का हो गया था। यह समाचार सब ओर फैल गया।

स किसान के खेत का पत्थर था, वह आकर सोने का पत्थर मांगने लगा। नामदेव ने अपने कपड़े के पैसे मांगे व पत्थर उसे दे दिया। घर जाकर किसान ने देखा कि वह तो फिर पत्थर बन गया। वह गुस्से में नामदेव जी के घर वह पत्थर रख गया। आज भी उस पत्थर की पूजा नामदेव के मंदिर में होती है।

विचार मंथन

पहलगाम हमले में टीआरएफ के साथ पाकिस्तानी हाथ

(लेखक-डॉ हिदायत अहमद खान)

यह तो सभी मानेंगे ही कि किसी को बड़ा अपराधी बनाने में किसी न किसी बड़ व्यक्ति या संगठन का हाथ होता है, ठीक वैसे ही जैसे कि आतंकवार को पालने और पोसने में पाकिस्तान का बहुत बड़ा हाथ सदा से रहा है। इस बात को खुद पाकिस्तान के नेताओं ने समय-समय पर माना है, लेकिन इसका हल निकाल पाने में सभी नाकाम साबित हुए हैं। खासतौर पर तब जबकि पाकिस्तानी आवाम खुद भी इस आतंकवाद से परेशान है, सरकार और सेना मिलकर कोई हल क्यों नहीं निकाल पा रही हैं, बड़ा सवाल है। पाकिस्तान के लिए भी ये आस्तीन के सांप ही साबित होते आए हैं, बावजूद इसके एक सियासी जमात इन्हें पालने और बढ़ाने में अपनी पूरी ताकत झोंकती आई है। इसका खामियाजा पड़ोसी मुल्कों को भी उठाना पड़ता है। इसी के चलते बीते माह 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के खूबसूरत पर्यटन स्थल पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने देश ही नहीं दुनियां को झकझोर कर रख दिया। आतंकियों के इस कायराना हमले में दो दर्जन से ज्यादा निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। शुरुआती जांच में ही इस आतंकी घटना के तार पाकिस्तान और लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन द रसिस्टेन्स फ्रंट (टीआरएफ) से जुड़ते दिखे। पहले टीआरएफ ने इस हमले की जिम्मेदारी सीना ठोंक कर ले भी ली थी। जब अंतर्राष्ट्रीय दबाव पड़ा और पाकिस्तान को भारतीय जवाब की सूझ आई तो टीआरएफ ने बयान बदल दिया और जिम्मेदारी लेने से साफ इंकार कर दिया। अब भारत ने इस आतंकी हमले से संबंधित पुख्ता सबूत संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में पेश कर दिए हैं, जिससे टीआरएफ और इसके संरक्षक पाकिस्तान की साजिश बेनकाब होती दिखी है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद रोधी कार्यालय और काउंटर टेररिज्म कमेटी एग्जीक्यूटिव डायरेक्टोरेट (सीटीईडी) के समक्ष विस्तार से जानकारी पेश की है। भारत का साफ कहना है कि पहलगाम में जो आतंकी हमला हुआ, वह टीआरएफ द्वारा लश्कर-ए-तैयबा के निर्देश पर किया गया, और इसके पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की रणनीति थी। भारतीय अधिकारियों ने यूएन की 1267 प्रतिबंध समिति की निगरानी टीम को भी टीआरएफ की गतिविधियों से अवगत कराया और टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित करने की मांग रखी है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि टीआरएफ का बयान और फिर उससे पलटना पाकिस्तान के दबाव में किया गया ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाक सरकार की छवि को नुकसान न पहुंचे। टीआरएफ, लश्कर-ए-तैयबा का ही नया चेहरा है, जिसे एफएटीएफ और अन्य अंतरराष्ट्रीय निगरान एजेंसियों की निगाह से बचाने के लिए एक 'लो-प्रोफाइल' आतंकी ब्रांड के रूप में पेश किया गया है। लेकिन भारत ने इन दो संगठनों की कड़ी साठगांठ के सबूत यूएन के सामने रखे हैं। इसी बीच भारत ने यह भी रेखांकित किया कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक एकजुटता आवश्यक है। यदि टीआरएफ जैसे आतंकी संगठनों को अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध सूची में शामिल नहीं किया जाता है तो आतंकवादियों को बल मिलता रहेगा और निर्दोष लोगों की जान यूं ही जाती रहेगी। भारत का यह कदम पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक समर्थन जुटाने की दिशा में एक निर्णायक प्रयास है। भारत द्वारा दिए गए डिजिटल, कॉल रिकॉर्ड, फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन और इंटेलिजेंस इनपुट्स के आधार पर माना जा रहा है कि यूएन टीआरएफ को प्रतिबंधित आतंकी संगठन घोषित करने की प्रक्रिया जल्द शुरू कर सकता है। अगर ऐसा होता है, तो टीआरएफ से जुड़े फंड, हथियार आपूर्ति और सीमा पार नेटवर्क पर करारा प्रहार हो सकेगा। भारत लंबे समय से यह प्रयास कर रहा है कि पाकिस्तान की छद्म युद्ध नीति, जो वह लश्कर और जैश जैसे संगठनों के जरिए चलाता है, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उजागर हो। पहलगाम हमले के बाद भारत की ओर से की गई यह कूटनीतिक कार्रवाई इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस घटनाक्रम से यह भी स्पष्ट होता है कि अब भारत आतंकी हमलों के प्रति केवल सीमित जवाब देने की नीति से आगे बढ़ चुका है। अब कूटनीतिक, अंतरराष्ट्रीय मंचों और आर्थिक प्रतिबंधों के माध्यम से भारत पाकिस्तान और उसके पाले हुए आतंकी संगठनों को घेरने की रणनीति पर चल रहा है। यदि संयुक्त राष्ट्र टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित करता है, तो यह न केवल भारत के लिए एक बड़ी जीत होगी, बल्कि वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक निर्णायक मोड़ भी साबित होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

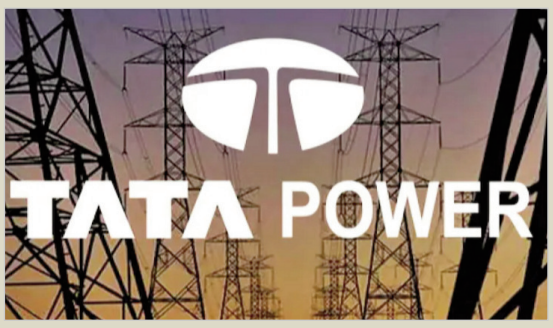

टाटा पावर की 25,000 करोड़ के निवेश की योजना

नई दिल्ली।

टाटा पावर के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि कंपनी वित्त वर्ष 2025-26 में 25,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की योजना बना रही है। कंपनी ने उत्तर प्रदेश में दो वितरण कंपनियों के लिए बोली लगाने की भी इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि कंपनी परमाणु परियोजनाओं के मामले में कानूनी बदलावों का इंतजार कर रही है और यह उसी के अनुरूप कदम उठाएगी। सिन्हा ने बताया कि कंपनी का शुद्ध लाभ पिछले वित्त वर्ष में 25 प्रतिशत बढ़कर 1,306.09 करोड़ रुपये रहा है। उत्पादन, पारेषण और वितरण, और नवीकरणीय ऊर्जा सहित प्रमुख कारोबार क्षेत्रों के मजबूत प्रदर्शन से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। उन्होंने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कंपनी की पूंजीगत व्यय योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा` कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पूंजीगत व्यय 25,000 करोड़ रुपये है। इसमें से 50 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा, 20 प्रतिशत उत्पादन, और 30 प्रतिशत पारेषण और वितरण क्षेत्रों के लिए है।

सैट ने जेनसोल को दो सप्ताह में जवाब दाखिल करने की मंजूरी दी

नई दिल्ली।

जेनसोल इंजीनियरिंग ने साझा बाजार को सूचित किया कि प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) ने उसे बाजार नियामक सेबी के अंतरिम आदेश पर जवाब दाखिल करने की अनुमति दे दी है। यह आदेश कंपनी और उसके प्रवर्तकों को प्रतिभूति बाजारों से प्रतिबंधित कर दिया था। पिछले महीने सेबी ने जेनसोल इंजीनियरिंग और उसके प्रवर्तकों को अगले आदेश तक प्रतिबंधित कर दिया था। इसके पीछे की वजह थी कंपनी के कोष को दूसरी जगह भेजने और संचालन से जुड़ी खामियों के मामले। जेनसोल इंजीनियरिंग ने आदेश के खिलाफ अपील दाखिल की थी, जिसका निपटारा सैट ने कर दिया है। सेबी ने उसे दो सप्ताह का समय दिया है अपना जवाब दाखिल करने के लिए। कंपनी ने बताया कि वह सेबी के आदेश का जवाब तैयार करने के लिए अपने कानूनी सलाहकारों और वकील से सहायता मांग रही है। सेबी ने अपने आदेश में कोई टिप्पणी नहीं की है। जेनसोल इंजीनियरिंग के मुख्य ने आदेश की खुलासे में देरी का कारण अनुपालन अधिकारी के पद रिक्त होने और कंपनी में कमी के थे।

केपीआईएल को मिले बिजली, भवन क्षेत्र में 2,372 करोड़ के ठेके

नई दिल्ली। कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड (केपीआईएल) ने अपनी अनुषंगी कंपनियों के साथ मिलकर एक बड़ी कारोबारी उपलब्धि हासिल की है, जिसमें उन्हें भारत और विदेशी बाजारों में विद्युत पारेषण एवं वितरण क्षेत्र में 2,372 करोड़ रुपये के नए ठेके मिले हैं। कंपनी के सीईओ ने इस मौके पर कहा कि यह ढेर सारे नए ठेके हमें भारत, नॉर्डिक्स और पश्चिम एशिया के तेजी से बढ़ते ईपीसी क्षेत्रों में अपनी बाजार स्थिति को बेहतर बनाने में मदद करेंगे। केपीआईएल वर्तमान में 30 से अधिक देशों में परियोजनाएं क्रियान्वित कर रही है और इसकी वैश्विक स्तर पर 75 देशों में उपस्थिति है, जो कंपनी के मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड की गरिमा को बढ़ाता है। कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल के उद्यमिता और क्रियाशीलता से इस नए मंजिल को हासिल करने में मदद की गई जानकारी देने के लिए तर्कसंगत है। वे इस सफलता को एक अभिनंदन के रूप में स्वीकारते हैं और भविष्य में और भी उच्च स्तर की ऊँचाई प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं।

1 लाख से अधिक शेयरधारकों के साथ 'एनएसई' भारत की सबसे बड़ी गैर-सूचीबद्ध कंपनी बनी

मुंबई।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। लेटेस्ट इंडस्ट्री डेटा के अनुसार, एनएसई 1,00,000 से अधिक शेयरधारकों के साथ भारत की सबसे बड़ी गैर-सूचीबद्ध कंपनी बन गई है। इस उपलब्धि के साथ एनएसई देश की चुनिंदा कंपनियों में एक बन गई है, जिनमें निवेशकों की संख्या इतनी अधिक है। इसी के साथ एनएसई की यह उपलब्धि और भी महत्वपूर्ण बन जाती है क्योंकि भारत में बहुत कम लिस्टेड कंपनियां शेयरहोल्डर बेस को लेकर इस उपलब्धि को हासिल कर पाई हैं। शेयरधारकों की संख्या में प्रभावशाली वृद्धि एक्सचेंज में निवेशकों की मजबूत रुचि को दर्शाती है, जो देश के फाइनेंशियल इकोसिस्टम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एनएसई ने भारत के प्रतिभूति बाजार में अपनी महत्वपूर्ण स्थिति के कारण लगातार ध्यान आकर्षित किया है, जो इक्विटी, डेरिवेटिव और अन्य फाइनेंशियल प्रोडक्ट में व्यापार के लिए एक प्रमुख मंच है। इस बीच, 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष के लिए एनएसई ने कंसोलिडेटेड कुल आय में सालाना आधार पर 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो 19,177 करोड़ रुपए तक पहुंच गई। इसकी फाइलिंग के अनुसार, वित्त वर्ष के लिए शुद्ध लाभ 47 प्रतिशत बढ़कर 12,188 करोड़ रुपए हो गया। प्रति शेयर आय भी पिछले वित्त वर्ष के 33.56 रुपए से बढ़कर 49.24 रुपए हो गई, जिसमें 4:1 रेश्यो में बोनस इक्विटी शेयर जारी करना शामिल है। कंपनी ने अपनी फाइलिंग में कहा कि निदेशक मंडल ने 35 रुपए प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है, जिसमें 11.46 रुपए का विशेष एकमुश्त लाभांश शामिल है। इसके अतिरिक्त, एनएसई ने सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी), स्टाम्प ड्यूटी, सेबी फीस, आयकर और जीएसटी सहित विभिन्न शुल्कों के माध्यम से वित्त वर्ष 2025 में भारतीय खजाने में 59,798 करोड़ रुपए का योगदान दिया।

ई-कॉमर्स कंपनियों को पाकिस्तानी झंडे वाले उत्पाद हटाने के निर्देश

भारतीय कारोबारियों ने तुर्किये के सेब का बहिष्कार करना भी शुरू किया

नई दिल्ली। भारत सरकार ने युद्ध में पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने के बाद आर्थिक मोर्चे पर भी कड़ा फैसला किया है। उपभोक्ता संरक्षण नियामक (सीसीपीए) ने अमेजन इंडिया और फ्लिपकार्ट समेत ई-कॉमर्स कंपनियों को नोटिस जारी कर उन्हें पाकिस्तानी झंडे वाले उत्पाद हटाने का निर्देश दिया है। मंत्री प्रल्हाद जोशी ने इस कदम की घोषणा की और कहा कि ऐसी असंवेदनशीलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ई-कॉमर्स मंचों को निर्देश दिया जाता है कि वे ऐसी सामग्री को तुरंत हटा दें और राष्ट्रीय कानूनों का पालन करें। हालांकि, इस सामान को बेचकर कौन से कानून का उल्लंघन किया जा रहा है, यह मंदिर के पोस्ट में स्पष्ट नहीं किया गया। लेकिन कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुई हत्या के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव उत्पन्न हो गया है। इसके अलावा भारतीय कारोबारियों ने तुर्किये के सेब और संगमरमर जैसे उत्पादों का बहिष्कार करना शुरू किया है। जिससे तुर्की का भारत कोटा कम हो सकता है। सरकार के साथ-साथ पब्लिक के अंदर भी तुर्की और अज़रबैजान के साथ जबरदस्त गुस्सा है। सोशल मीडिया पर पाकिस्तान का साथ देने वाले तुर्की और अज़रबैजान के बहिष्कार की मुहिम चल रही है। इसका सीधा असर दिखा है तुर्की और अज़रबैजान जाने वाली फ्लाइट बुकिंग्स पर भी देखा जा रहा है क्योंकि लोग जमकर इन दोनों देशों की प्लान की गई अपनी यात्राओं को कैंसल कर रहे हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1200 , निफ्टी 395 अंक उछला

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भारी बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। आज कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई और इसके बाद दिन भर उतार-चढ़ाव बना रहा पर अंत में अचानक आई तेजी से बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1200.18 अंक 1.48 फीसदी की तेजी के साथ 82,530.74 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 395.20 अंक तकरीबन 1.60 फीसदी बढ़कर 25,062.10 अंकों पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 29 कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए और केवल एक कंपनी का शेयर ही नीचे आया। इस प्रकार निफ्टी की 50 में से 49 कंपनियों के शेयरों में तेजी आई और केवल एक कंपनी का शेयर ही गिरा। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल टाटा मोटर्स के शेयर सबसे ज्यादा 4.16 फीसदी उछले जबकि इंडसइंड बैंक के शेयर 0.16 फीसदी नीचे टूटे।

आज बढ़त पर बंद होने वाली सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में एचसीएल टेक 3.37 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 2.60 फीसदी, मारुति सुजुकी 2.17 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 2.07 फीसदी, एशियन पेंट्स 2.04 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 1.88 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.62 फीसदी व भारती एयरटेल 1.61 प्रतिशत रहीं। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंसो शेयरों में भी उछाल आया।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत रही।

सुबह बाजार हल्की बढ़त के साथ सपाट स्तर पर खुले। खुलते ही निफ्टी-50 और सेंसेक्स लाल निशान में फिसल गए। बाजार के जानकारों का कहना है कि पिछले दो कारोबारी सत्र में बेंचमार्क में प्रॉफिट बुलिंग देखी गई। यह दिखाता है कि हाई लेवल पर गति कमजोर हो सकती है। आईटी स्टॉक्स में तेजी और मेटल कंपनियों के शेयरों में बढ़त और आखिरी एक घंटे में खरीदारी से बाजार चढ़कर बंद होने में कामयाब रहा। वहीं एशियाई बाज़ारों में गुरुवार को गिरावट देखी गई। पिछले दिन अमेरिका-चीन तनाव में नरमी की उम्मीद पर बढ़त बनी थी, लेकिन आज बाज़ार नीचे आ गए। जापान का निक्केई इंडेक्स 0.90 फीसदी गिरा, जबकि टॉपिक्स में 0.76 फीसदी की गिरावट रही। कोस्पी और एसएक्स200 मामूली कमजोरी के साथ सपाट कारोबार कर रहे थे। अमेरिका में एसएंडपी 500 में 0.10 फीसदी की हल्की बढ़त रही नेस्डेक 0.72 फीसदी चढ़ा, डाओ जोंस 0.21 फीसदी फिसल गया।

सरकार मोबाइल टावर उपकरणों पर 10 फीसदी सीमा शुल्क लगाएगी

मेक इन इंडिया' को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली।

घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और कर छूट के दुरुपयोग को रोकने के मकसद से वित्त मंत्रालय उत्पादों के एक नए वर्गीकरण में प्रमुख मोबाइल टावर उपकरणों पर 10 फीसदी बुनियादी सीमा शुल्क लगाने पर विचार कर रहा है। सैमसंग इंडिया और नोकिया सॉल्यूशंस मामले में विवाद को देखते हुए सरकार इस नीति पर विचार कर रही है। असल में इन दोनों फर्मों ने ऐसी वस्तुओं के आयात पर शून्य शुल्क लाभ का दावा किया है जिसे सरकार गलत वर्गीकरण मानती है। साल की शुरुआत में सैमसंग द्वारा कर से बचने के लिए रिमोट रेडियो हेड (आरआरएच) के आयात को कथित तौर पर गलत तरीके से वर्गीकृत किए जाने के मामले में 52 करोड़ डॉलर का कर नोटिस भेजा गया था। आरआरएच बेस स्टेशन का घटक होता है जिसका उपयोग मोबाइल टावरों में सिग्नल को प्रॉसेस करने के लिए किया जाता है।

कंपनी ने कर विभाग के आदेश को मुंबई सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपील पंचाट (सीईएसटीएटी) में चुनौती दी है।

उसका कहना है उत्पाद का वर्गीकरण उद्योग के मानदंड के अनुरूप है और अधिकारियों ने पहले इस पर सवाल नहीं उठाया था।ऐसे ही एक अन्य मामले में नोकिया को दिल्ली उच्च न्यायालय से राहत मिली थी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने फरवरी में नोकिया के खिलाफ एडवांस रूलिंग अथॉरिटी के आदेश को खारिज कर दिया था। अथॉरिटी ने इसमें स्मॉल फॉर्म फैक्टर प्लगएबल (एसएफपी) ट्रांसीवर को पूर्ण दूरसंचार उपकरण के रूप में वर्गीकृत करने के लिए कहा था जिस पर 20 फीसदी शुल्क लगाया जाता है। मगर अदालत ने अपने फैसले में कहा कि एसएफपी कोई मशीन नहीं बल्कि नेटवर्क का हिस्सा है और उन्हें उन वस्तुओं के रूप में वर्गीकृत करना सही है जिन पर शून्य सीमा शुल्क लगता है।

घटनाक्रम के जानकार एक सरकारी अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया, 'इसका उद्देश्य मेक इन इंडिया पहल के अनुरूप उच्चस्तरीय अत्याधुनिक दूरसंचार उपकरण उत्पादन के लिए आवश्यक वास्तविक उपकरणों पर शून्य शुल्क बनाए रखना है।

भारत सरकार चीनी निवेश प्रस्तावों की अधिक कठोर समीक्षा करेगी

सरकार ने पहले चीनी निवेश पर लगाया था प्रतिबंध

नई दिल्ली।

भारत सरकार ने चीनी कंपनियों के निवेश प्रस्तावों की कठोर समीक्षा की योजना बनाई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह निर्णय लिया गया है, जिसे भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई के जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर' लॉन्च किया था। इससे चीन, तुर्की, बांग्लादेश ने पाकिस्तान को समर्थन दिया। हालांकि, यह स्थिति चीनी वेंचर्स के लिए विपरीत प्रभाव डाल सकती है। सरकार की ओर से इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग में चीनी कंपनियों के साथ ज्वाइंट वेंचर की तरफ बढ़ती रुचि के चलते अब देरी हो सकती है। होम अप्लायंसेस हायर भारतीय कार्यक्षेत्र जेएसडब्ल्यू ग्रुप के साथ संयुक्त उद्यम के संभावित 1,000 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव पर सरकार ने विचार करने का फैसला किया है। इससे स्थिति उद्योग में नए सवाल उत्पन्न हो सकते हैं। सरकार ने पहले चीनी निवेश पर प्रतिबंध लगाया था और इसके लिए निवेश पर नजर रखने का निर्णय लिया था। हाल ही में चीनी कंपनियों को भारतीय दूरसंचार क्षेत्र में 5जी रोलआउट से बाहर रखा गया था। इस समीक्षा के फलस्वरूप भारत ने सुरक्षित निवेश के पक्ष में कठोर कदम उठाने का नेतृत्व किया है। यह इसे आतंकी हमलों के मामले में भी अपनी रचनात्मक स्थिति बनाए रखने में मदद कर सकता है।

देश में लम्बे समय से पेट्रोल-डीजल उपभोक्ताओं को नहीं मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में कितना भी उतार या चढ़ाव आया हो, लेकिन देश में लम्बे समय से पेट्रोल-डीजल उपभोक्ताओं को बड़ी राहत नहीं मिली है। गुरुवार को सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमते जारी कर दी है। राजस्थान में पेट्रोल की कीमत में बदलाव नहीं हुआ है। यहां पर इसकी कीमत 105.51 रुपए प्रति लीटर ही है। हालांकि डीजल थोड़ा सस्ता हुआ है। राजस्थान में डीजल औसत कीमत 91.00 रुपए प्रति लीटर है। वहीं देश के प्रमुख शहरों में भी दोनों ही ईंधनों की कीमतों में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है।दिल्ली में पेट्रोल की 94.72 और डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 103.44, डीजल 89.97, कोलकाता में पेट्रोल 103.94, डीजल 90.76, डीजल 87.76 प्रे ति` लटिर है। वहीं चेन्नई में पेट्रोल 100.85 तथा डीजल 92.44 रुपए और और नोएडा में पेट्रोल 94.87, डीजल 88.01 रुपए प्रति लीटर की कीमत पर बिक रहा है। देश में आखिरी बार मार्च 2024 को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव किया था। इस दौरान दोनों ईंधनों की कीमतों को 2-2 रुपए प्रति लीटर की दर से संशोधित किया गया था।

सुरक्षा के लिए मारुति सुजुकी के सभी वैरिएंटस में मिलेंगे 6 एयरबैग

नई दिल्ली।

मारुति सुजुकी इंडिया ने अपने लोकप्रिय मॉडल्स ऑल्टो के 10, वैगन आर, सेलेरियो और ईको के सभी वैरिएंट्स में 6 एयरबैग देने का निर्णय लिया है। मारुति सुजुकी ने इसे ग्राहकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

मारुति सुजुकी कंपनी के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (मार्केटिंग एंड सेल्स) पार्थो बनर्जी ने कहा कि भारत में तेजी से विकसित हो रहे सड़क नेटवर्क और बढ़ती तेज़ रफ्तार को देखते हुए अब पहले से कहीं अधिक मजबूत सुरक्षा मानकों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि 6 एयरबैग को स्टैंडर्ड बनाने का निर्णय लाखों ग्राहकों के लिए सुरक्षा के स्तर को बेहतर बनाएगा और यात्री सुरक्षा को समग्र रूप से सशक्त करेगा। मारुति सुजुकी की ये कारें एरेना डीलरशिप नेटवर्क के माध्यम से बेची जाती हैं, जबकि इसके प्रीमियम मॉडल्स बलेनो, ग्रैंड विटारा और इनविक्टो नेक्सा नेटवर्क के जरिए ग्राहकों तक पहुंचते हैं। कंपनी के इस निर्णय से

संकेत मिलता है कि वह अब एंट्री-लेवल कारों में भी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

इसी बीच कंपनी की मूल जापानी कंपनी सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन ने घोषणा की है कि वह 2025-26 में 380 अरब येन का पूंजीगत निवेश करने की योजना बना रही है, जिसमें से करीब 50 प्रतिशत भारत में निवेश किया जाएगा। इस निवेश का उद्देश्य भारत में उत्पादन क्षमता बढ़ाना और भविष्य की मांगों को पूरा करना है।

माह के अंत में लांच होगा नया स्मार्टफोन शाओमी सीवी 5 प्रो

नई दिल्ली।

चालू महीने के अंत तक शाओमी सीवी 5 प्रो चीन में लॉन्च हो सकता है। यह फोन स्नैपड्रैगन 8एस जेन 4 चिपसेट से लैस होगा, हालांकि लॉन्च डेट अभी तक कन्फर्म नहीं हुई है। इस बीच, यह फोन गीकबेंच के डेटाबेस में दिखाई दिया है, और इसका मॉडल नंबर 25067 पीवायई3सी है। गीकबेंच लिस्टिंग में चिपसेट का नाम नहीं दिया गया है, लेकिन सीपीयू से मिली जानकारी से यह अनुमान लगाया जा रहा है कि फोन स्नैपड्रैगन 8एस जेन 4 चिपसेट के साथ आ सकता है। गीकबेंच टेस्ट में इस फोन को सिंगल-कोर में 1983 और मल्टी-कोर में 6874 पॉइंट मिले हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फोन में 16जीबी रैम और ऐंड्रॉयड 15 ऑपरेटिंग सिस्टम होगा। पिछले साल जून में लॉन्च हुए शाओमी सीवी के फीचर्स की तुलना में इस फोन में और बेहतर स्पेसिफिकेशन दिए जा सकते हैं, जैसे कि 1.5 के ओलेड डिस्प्ले, 12जीबी तक रैम, और स्नैपड्रैगन 8एस जेन 2 प्रोसेसर। इस फोन में डॉल्बी ऐटमॉस और इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर भी दिया गया है। फीचर्स की बात करें, तो यह फोन 1.5के रेजॉलूशन के साथ क्वॉड-कर्व्ड अमोलेड, 6000 एमएएच बैटरी और 67वॉच फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करेगा। इसके कैमरे में 50 मेगापिक्सल का टेलिफोटो लेंस और बेहतर लो-लाइट फोटोग्राफी एक्सपीरियंस की सुविधा होगी। भारत में इसे शाओमी 15 सिवी के नाम से लॉन्च किया जा सकता है।

गूगल ने अपने यूजर्स के लिए नए सिक्योरिटी और प्राइवेसी फीचर्स का किया ऐलान

नए फीचर्स धोखाधड़ी, डेटा चोरी और डिवाइस थेफ्ट से सुरक्षा करेंगे प्रदान

नई दिल्ली।

स्कैम और फॉड के बढ़ते मामलों के चलते गूगल ने अपने एंड्रॉयड यूजर्स की सुरक्षा के लिए नए सिक्योरिटी और प्राइवेसी फीचर्स का ऐलान किया है। ये फीचर्स मंगलवार को पेश किए गए। गूगल का कहना है कि एंड्रॉयड 16 में शामिल ये नए फीचर्स यूजर्स को धोखाधड़ी, डेटा चोरी और डिवाइस थेफ्ट से सुरक्षा प्रदान करेंगे। गूगल द्वारा पेश फीचर्स में ऑन-कॉल सिक्योरिटी लेयर, स्क्रीन शेयरिंग के दौरान प्राइवेसी प्रोटेक्शन, ओटीपी चोरी से बचाव और फैक्ट्री रीसेट प्रोटेक्शन शामिल हैं। इन उपायों से यह तय किया जाएगा कि कोई भी व्यक्ति यूजर की अनुमति के बिना डिवाइस को रीसेट या एक्सेस नहीं कर सकता। कंपनी की रिसर्च के मुताबिक स्कैमर्स अक्सर यूजर्स को फोन पर कुछ खास गतिविधियां करने के लिए ब3हकाते हैं, जिससे उन्हें डिवाइस की सिक्योरिटी सेटिंग्स तक पहुंच मिल जाती है। इसे रोकने के लिए गूगल कुछ एक्शन्स को ब्लॉक करने की तैयारी कर रहा है और साथ ही यूजर्स को संभावित हमलों के बारे में चेतावनी भी देगा। गूगल के सिक्योरिटी ग्रुप प्रोडक्ट मैनेजर ने बताया कि नया अडवांस्ड प्रोटेक्शन प्लान एक यूनिफाइड सिक्योरिटी सेटिंग देता है, जो एंड्रॉयड की सबसे अच्छी और बेहतर सुरक्षा को एक्टिवेट और लॉक कर देता है। खासकर पत्रकारों, जनप्रतिनिधियों और सार्वजनिक हस्तियों के लिए यह सुरक्षा बेहद उपयोगी साबित होगी। इसके अलावा गूगल ने हाल ही में एआई पावर्ड स्कैम डिटेक्शन फीचर को फोन और मैसेजेस ऐप में रोलआउट किया है, जो अब बिलिंग, गिफ्ट कार्ड, क्रिप्टो और टेक्निकल स्कैम जैसे खतरों से भी अलर्ट करेगा। वहीं स्क्रीन शेयरिंग प्रोटेक्शन से कॉल खत्म होने पर स्क्रीन शेयरिंग को बंद करने की रिमाइंडर मिलेगी। यूजर्स को ओटीपी चोरी से भी बचाने के लिए एक नया फीचर जोड़ा गया है, जिसमें हाई-रिस्क स्थितियों में ओटीपी लॉक स्क्रीन पर दिखाई नहीं देगा।

यह फीचर तब एक्टिवेट होगा जब फोन वाई-फाई से कनेक्ट न हो या हाल ही में अनलॉक न किया गया हो। गूगल ने कहा है कि ये सभी फीचर्स धीरे-धीरे एंड्रॉयड 16 डिवाइसेज पर उपलब्ध होंगे।

खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट का असर

अप्रैल में थोक महंगाई 13 महीने के निचले स्तर 0.85 प्रतिशत पर, रोजमर्रा की वस्तुएं हुईं सस्ती

नई दिल्ली।

अप्रैल महीने में थोक महंगाई 2.05 प्रतिशत से घटकर 0.85 प्रतिशत पर आ गई है। ये महंगाई का 13 महीनों का निचला स्तर है। इससे पहले मार्च 2024 में महंगाई 0.53 प्रतिशत पर थी। वहीं फरवरी 2025 की महंगाई दर को सरकार ने संशोधित किया है। इसे 2.38 प्रतिशत से बढ़ाकर 2.45 प्रतिशत कर दिया गया है। रोजाना की जरूरत के सामान और खाने-पीने की चीजों की कीमतों के घटने से महंगाई घटी है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने आज यानी 14 मई को ये आंकड़े जारी किए।

रोजाना की जरूरत वाले सामानों की महंगाई 0.76 प्रतिशत से घटकर -1.44 प्रतिशत हो गई। खाने-पीने की चीजों की महंगाई 4.66 प्रतिशत से घटकर 2.55 प्रतिशत हो गई। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर 0.20 प्रतिशत से घटकर -2.18 प्रतिशत रही। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 3.07 प्रतिशत से घटकर 2.62 प्रतिशत रही।

होलसेल प्राइस इंडेक्स का आम आदमी पर असर

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए होलसेल प्राइस इंडेक्स को कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। होलसेल प्राइस इंडेक्स में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईएलटी20 क्रिकेट लीग के चौथे सत्र का कार्यक्रम घोषित

दुबई।

डीपी विश्व इंटरनेशनल लीग (आईएलटी20) का चौथा सत्र इस साल के अंत में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में शुरु होगा। ये लीग दो दिसंबर से शुरू होकर चार जनवरी तक चलेगी। यह टूर्नामेंट जनवरी फरवरी में खेला जाता है पर अगले साल फरवरी मार्च में आईसीसी पुरूष टी20 विश्व कप हो देखते हुए इसके कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। अमीरात क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष और आईएलटी20 के चेयरमैन खालिद अल जरूनी ने कहा , 'हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि डीपी विश्व अंतरराष्ट्रीय टी20 लीग का चौथा सत्र यूएई के राष्ट्रीय दिवस ईद अल एतिहाद से शुरू होगा।' इसके पिछले सत्र में सैम कुरेन, शाइ होप, फजलहक फारूकी, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, डेविड वॉर्नर और राशिद खान समेत कई स्टार खिलाड़ियों ने भाग लिया था। इस बार भी इसमें कई दिग्गज खिलाड़ियों के भाग लेने की उम्मीद है।

आईपीएल फाइनल कोलकाता में ही आयोजित किये जाने के पक्ष में सीएबी

बीसीसीआई को सौंपी मौसम विभाग की रिपोर्ट

मुम्बई।

इंडियन प्रीमियर लीग 17 मई से फिर शुरु होने जा रहा है पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसमें फाइनल सहित प्लेऑफ्स के मैच स्थलों को लेकर कोई घोषणा नहीं की है। ऐसे में माना जा रहा है कि बारिश की संभावना को देखते हुए फाइनल को कोलकाता की जगह कहीं और रखा जा सकता है। वहीं बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) फाइनल को अपने यहां ही आयोजित कराने के पूरे प्रयास कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार सीएबी ने इसी लेकर मौसम विज्ञान केंद्र से भी बात की है। इकसे बाद जो रिपोर्ट, जो बीसीसीआई को सौंपी गई है, उसमें साफ कहा गया है कि इस तरह की भविष्यवाणी करना अभी जल्दबाजी होगी और 25 मई के आसपास ही पता चल सकेगा कि मौसम कैसा रहेगा।

सीएबी ने दिल्ली में भारतीय मौसम विभाग से भी संपर्क किया। उन्होंने भी इसी तरह का जवाब दिया और इसी को देखते हुए उसने बीसीसीआई से फाइनल का स्थल नहीं बदलने की अपील की है। सीएबी के अधिकारियों का कहना है कि मौसम की भविष्यवाणी के आधार पर आईपीएल खेलों को कोलकाता से बाहर ले जाना सही नहीं है। उसे उम्मीद है कि बीसीसीआई रिपोर्ट को देखने के बाद ही कोई फैसला करेगा।

आईपीएल 2025 के फाइनल और प्लेऑफ के आयोजन स्थलों की घोषणा नहीं होने के बाद भी सीएबी को उम्मीद है कि बीसीसीआई फाइनल के स्थल को लेकर कोई बदलाव नहीं करेगा। सीएबी अधिकारी ने कहा, हमें पूरा भरोसा है कि चीजें ठीक हो

जाएंगी, क्योंकि हमने सभी आयोजनों में बहुत अच्छा काम किया है। साथ ही कहा कि आप अभी से मौसम का अनुमान नहीं लगा सकते और हमने इस संबंध में सभी आधिकारिक दस्तावेज जमा कर दिए हैं। आईपीएल 2025 के फाइनल के अधिकार कोलकाता के पास ही हैं, क्योंकि 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने ही खिताब जीता था।

विराट को चयन समिति का समर्थन नहीं मिला : कैफ

नई दिल्ली।

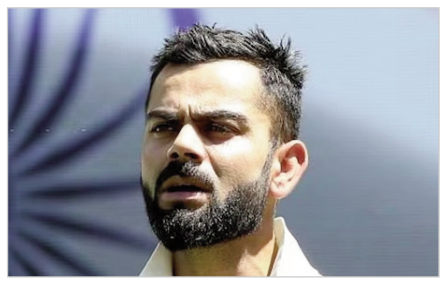

पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि विराट कोहली ने समय से पहले संन्यास लिया है। कैफ के अनुसार किसी को भी अंदाज नहीं था कि विराट अचानक ही ये फैसला लेंगे। कैफ के अनुसार कुछ समय पहले विराट रणजी खेल रहे थे और इसका मतलब है कि वह अभी टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते थे। फिर कुछ महीनों में ऐसा क्या हुआ कि उन्हें संन्यास लेना पड़ा। कैफ का मानना है कि कोहली को चयन समिति का समर्थन नहीं मिला। समिति ने हाल के उनके फॉर्म को लेकर चिंता व्यक्त की और टेस्ट लाइन-अप में उनकी जगह पर भी सवाल उठाए थे। जिससे विराट दबाव में थे। कैफ ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया दौरे से लौटने के बाद रणजी ट्रॉफी में खेलना ये बताता है कि विराट अभी इतनी जल्दी टेस्ट नहीं छोड़ना चाहते थे। उन्होंने कहा 'मुझे लगता है कि वह इस फॉर्मेट में खेलना जारी रखना चाहते थे पर बीसीसीआई के साथ उनकी बातचीत हुई होगी, जिसमें चयनकर्ताओं ने पिछले 5-6 साल में उसके प्रदर्शन को उम्मीद के अनुसार नहीं माना होगा। उन्हें कहा गया होगा कि टीम में अब उसकी जगह नहीं बनती है। हमें कभी पता नहीं चलेगा कि क्या हुआ, यह अनुमान लगाना बहुत कठिन है कि वास्तव में क्या हुआ पर उनके रणजी ट्रॉफी खेलने को देखते हुए मुझे निश्चित रूप से लगता है कि वह आगामी टेस्ट दौरे पर जाना चाहता था। पिछले कुछ हफ्तों में हुए घटनाक्रमों के कारण उसे बीसीसीआई और चयनकर्ताओं से वह समर्थन नहीं मिला जिसकी उसे उम्मीद थी।' कोहली की फॉर्म पिछले पांच साल में गिरी है। इस दौरान वह 68 पारियों में तीन शतकों के साथ ही केवल 2028 रन बना पाये हैं। उनके करियर का औसत भी 46 तक गिरा है। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में वापसी के संकेत दिए, जहां उन्होंने नवंबर 2024 को पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में शानदार शतक जड़ा. लेकिन उसके बाद दौरे में केवल 90 रन ही बना पाए और भारत 1-3 से हार गया. कैफ को लगता है कि ऑस्ट्रेलिया में कोहली के साथ जो हुआ उससे वह निराश हुए होंगे।

आईपीएल के बचे हुए मुकाबलों में अब दिल्ली की ओर से फ्रेजर की जगह मुस्तफिजुर खेलेंगे

नई दिल्ली। आईपीएल में 17 मई से शुरु होने वाले मैचों में दिल्ली कैपिल्स की टीम में सलामी जेक फ्रेजर-मैक्गर्क नहीं खेलेंगे। आईपीएल के इस सत्र में दिल्ली की टीम को प्लेऑफ में पहुंचने अपने बचे हुए सभी तीन लीग मैच जीतने हैं और ऐसे में जेक फ्रेजर का बाहर होना उसके लिए एक बड़ा झटका है। फ्रेजर की जगह अब बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान दिल्ली की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। मुस्तफिजुर को दो साल के बाद दिल्ली की ओर से खेलने का अवसर मिल रहा है। दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल अंक तालिका में अभी 5वें नंबर पर है और उसने अब तक 11 मैच खेले हैं जिसमें टीम को 6 मैचों में जीत मिली है जबकि 4 में वह हारी है जबकि एक मैच ड्रॉ रहा है। इन 11 मुकाबलों में दिल्ली कैपिटल्स ने 13 अंक मिले हैं। दिल्ली की टीम की टूर्नामेंट में शुरुआत धमाकेदार थी थी बीच में उसकी लया खराब हो गयी थी जिससे वह पिछड़ गयी। अंतिम पांच मैच में से वह चार हारी थी। दिल्ली हालांकि अभी भी दौड़ में बनी हुई है। उसे अभी तीन मैच खेलने बाकी हैं, जिनमें से दो मुकाबलों को जीतना बेहद जरूरी है. अगर दिल्ली इन 3 में से 2 मुकाबले हार जाती है तो टीम प्लेऑफ से बाहर हो जाएगी। वह 18 मई को गुजरात के खिलाफ अपना 12वां मैच खेलेगी।इसके बाद उसे मुबंई और पंजाब से खेलना है।

नीरज चोपड़ा को लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि

नई दिल्ली।

भारतीय सेना ने ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि से सम्मानित किया है। नीरज ने ओलंपिक में स्वर्ण और रजत पदक जीते हैं। इसके अलावा वह विश्व चैम्पियनशिप विजेता भी हैं। नीरज 26 अगस्त 2016 को नायब सूबेदार के रूप में भारतीय सेना में जूनियर कमीशंड अधिकारी के रूप में पहली बार शामिल हुए थे। इसके दो वर्ष बाद नीरज को एथलेटिक्स में शानदार प्रदर्शन के लिए अर्जुन पुरस्कार मिला और फिर 2021 में खेल रत्न से सम्मानित किया गया। इस वर्ष उन्हें सूबेदार के पद पर पदोन्नत किया गया। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने पर नीरज को 2022 में भारतीय सेना के सर्वोच्च शांतिकालीन सम्मान परम विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया। उन्हें टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक दी गई भारतीय सेना ने इससे पहले भी कई प्रसिद्ध खिलाड़ियों को उनके खेल में उत्कृष्ट योगदान और राष्ट्र के प्रति समर्पण के लिए मानद सैन्य उपाधियाँ प्रदान की थीं। ।

अभिनव बिंद्रा

निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक दी गई। ब्रिंदा ओलंपिक 2008 में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय व्यक्तिगत ओलंपिक चैंपियन रहे हैं।

कपिल देव

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव को 2008 में टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक प्रदान की गई। यह सम्मान उनके क्रिकेट में योगदान और नेतृत्व के लिए दिया गया। कपिल की कप्तानी में ही साल 1983 में भारतीय टीम ने विश्वकप सहित कई अन्य खिताब जीते थे।

महेंद्र सिंह धोनी

पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को 2011 में 106 टेरिटोरियल आर्मी बटालियन (पैरा) में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक दी गई। वे एक योग्य पैराट्रूपर भी हैं, जिन्होंने पांच पैराशूट प्रशिक्षण कूद पूरी की। धोनी ने 2019 में कश्मीर में 15 दिन की स्वैच्छिक सेवा भी दी। धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ने 2011 विश्वप के अलावा कई अन्य आईसीसी खिताब भी जीते थे।

सचिन तेंदुलकर

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को 2010 में भारतीय वायु सेना ने ग्रुप कैप्टन की मानद उपाधि प्रदान की। यह सम्मान उनके क्रिकेट में अभूतपूर्व योगदान और युवाओं को प्रेरित करने के लिए दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

जडेजा ने सबसे अधिक समय तक नंबर एक पर रहने का रिकार्ड बनाया

दुबई।

भारतीय टीम के अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा पिछले तीन साल से आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक स्थान पर बने हुए हैं। इसकी के साथ ही जडेजा ने सबसे अधिक समय से नंबर एक पर बने रहने का नया रिकार्ड बनाया है। जडेजा के इस रिकॉर्ड को तोड़ना किसी भी ऑलराउंडर के लिए असंभव सा है। वह लगातार 1,151 दिनों तक शीर्ष पर रहे हैं, जो टेस्ट क्रिकेट इतिहास में नंबर एक टेस्ट ऑलराउंडर के रूप में सबसे लंबी अवधि है। ये उपलब्धि दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर जैक्स कैलिस, भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर कपिल देव या पाकिस्तान के इमरान खान के नाम भी नहीं है। जडेजा पहली बार 9 मार्च 2022 को टेस्ट क्रिकेट में नंबर वन ऑलराउंडर बने थे। उस समय उन्होंने वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जेसन होल्डर को पीछे कर वह नंबर एक सथान पर आये थे। इसके बाद से ही वह लगातार नंबर एक पर बने हुए हैं। अब उनके कुल 400 अंक हो गए हैं। वहीं पिछले सत्र की बात करें तो जडेजा ने 30 के औसत से कुल 527 रन बनाये हैं। वहीं गेंदबाज के तौर पर 24 के करीब के औसत से 48 विकेट लिए हैं। इन आंकड़ों से उनकी निरंतरता का अंदाज होता है।

मुस्ताफिजुर का आईपीएल में खेलना तय नहीं

यूएई दौरे पर जा रहे

मुम्बई।

बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को आईपीएल के बचे हुए सत्र के लिए दिल्ली कैपिटल्स ने शामिल किया है पर उनका खेलना संदिग्ध है। ऑस्ट्रेलिया के जेक फ्रेजर मैकगर्क की जगह सात करोड़ रुपय में शामिल रहमान टीम के साथ दुबई दौरे पर चले गये हैं। इस क्रिकेटर ने सोशल मीडिया पर एक क्रिप्टिक पोस्ट भी लिखी है। मुस्ताफिजुर ने इसमें अपनी तस्वीर के साथ लिखा है, 'यूएई जा रहा हूं उनके खिलाफ खेलने। दुआओं में याद रखना।' बांग्लादेश को इस दौरे में यूएई के खिलाफ 2 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इस सीरीज का पहला टी20 मैच 17 मई को जबकि दूसरा और आखिरी मैच 19 मई को खेला जाएगा। इसके बाद बांग्लादेश की टीम को पाकिस्तान का दौरा करना है।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार मुस्तफिजुर को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की ओर से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी नहीं किया गया है। बीसीबी का कहना है कि मुस्तफिजुर को लेकर आईपीएल से उन्हें कोई जानकारी नहीं मिली है। बीसीबी सीईओ निजामुद्दीन चौधरी ने कहा, 'मुस्तफिजुर को तय कार्यक्रम के अनुसार टीम के साथ यूएई जाना है। हमें आईपीएल अधिकारियों से कोई संदेश नहीं मिला है। मुझे मुस्तफिजुर से भी ऐसा कोई आधिकारिक संदेश नहीं मिला है।'

आईपीएल के लिए नहीं लौटेंगे दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी : सीएसए

लीग से अधिक जरुरी है डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलना

जोहांसबर्ग।

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने कहा है कि उसके खिलाड़ी अब आईपीएल के लिए नहीं लौटेंगे क्योंकि उसे अगले माह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल खेलना है। सीएसके के अनुसार लीग से अधिक जरुरी देश के लिये खेलना है। वहीं इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 17 मई से फिर शुरु हो रहे आईपीएल सत्र के लिए खिलाड़ियों को लौटने के लिए कहा था। आईपीएल 17 मई से शुरू होगा और इसका फाइनल मुकाबला तीन जून को खेला जाएगा। संशोधित कार्यक्रम से दक्षिण अफ्रीका के अलावा ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की भी मुश्किलें बढ़ गयी हैं क्योंकि उन्हें भी डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए अभ्यास करना है। फ्रेंचाइजी और बीसीसीआई ने विदेशी बोर्ड से उनके खिलाड़ियों को लीग के बाकी मैचों के उपलब्ध कराने का आग्रह किया था। जिसके जवाब में सीएसए ने कहा कि डब्ल्यूटीसी फाइनल की तैयारियां अधिक जरुरी हैं। सीएसए के राष्ट्रीय टीम और हाई परफार्मेंस निदेशक एनोक एनक्वे ने कहा, ''यह खिलाड़ियों का व्यक्तिगत फैसला रहेगा कि उन्हें लीग खेलने लौटना है या नहीं।'' उन्होंने कहा, ''एक बात हमने साफ कर दी है कि हम बीसीसीआई और आईपीएल से बात कर रहे हैं लेकिन डब्ल्यूटीसी फाइनल की तैयारियों का कार्यक्रम यथावत रहेगा।'' उन्होंने कहा, ''टेस्ट खिलाड़ियों के लिए 26 मई की समय तय सीमा है। हमारी प्राथमिकता डब्ल्यूटीसी फाइनल है जो नहीं बदलेगी।'' गौरतलब है कि विभिन्न आईपीएल टीमों से खेल रहे दक्षिण अफ्रीका के आठ क्रिकेटर कगिसो रबाडा, लुंगी एंगिडी , ट्रिस्टन स्टब्स , एडेन मार्क्रम , रियान रिकेलटन , कोर्बिन बॉश , मार्को यानसेन और वियान मूल्डर डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम में शामिल हैं।

आईपीएल के अंतिम चरण में अस्थाई खिलाड़ियों को शामिल कर सकेंगी टीमें

मुम्बई।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 17 मई से फिर शुरु होने पर कई विदेशी खिलाड़ी अपनी राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के कारण इसमें शामिल नहीं हो सकेंगे। इसी को देखते हुए लीग ने एक अहम फैसला लेते हुए कहा है कि फ्रेंचाइजियां अंतिम चरण के लिए अस्थाई रुप से खिलाड़ियों को शामिल कर सकती हैं पर इन्हें अगले सत्र के लिए रिटेन नहीं किया जा सकेगा। ये खिलाड़ी नीलामी के जरिये ही टीमों से जुड़ सकते हैं। ये नियम इसलिए बनाया गया है ताकि फ्रेंचाइजी नीलामी प्रक्रिया की अनदेखी न कर सकें। इस फैसले से टीमों को राहत तो मिली है पर इसमें एक शर्त भी है। इन खिलाड़ियों को अंतिम चरण के लिए ही शामिल किया जा सकता है। जो खिलाड़ी आखिरी चरण में टीम से जुड़ेंगे, वे खिलाड़ी अगली नीलामी से पहले रिटेंशन के योग्य नहीं होंगे। वहीं जो खिलाड़ी लीग स्थगित करने से पहले जुड़े हैं वे रिटेन किये जा सकेंगे।

बुमराह को ही कप्तानी दी जानी चाहिये: मांजरेकर

नई दिल्ली।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि वह अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को ही कप्तान बनाने के पक्ष में हैं। मांजरेकर के अनुसार बुमराह जैसे कुशल कप्तान के होते हुए किसी और को कैसे ये जिम्मेदारी दी जा सकती है। साथ ही कहा कि बुमराह की फिटनेस को लेकर अगर कोई परेशानी है तो उपकप्तान बेहतर बनायें। मांजरेकर इससे हैरान हैं कि शुभमन गिल को टीम की कप्तानी सोंपने की बातें चल रही हैं। उनकी नजर में जसप्रीत बुमराह को ही टेस्ट का अगला कप्तान होना चाहिए। बुमराह पिछली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में टीम इंडिया के उप-कप्तान थे, रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में उन्होंने कप्तानी संभाली थी, मगर अधिक काम के बोझ के कारण वह अंतिम मैच में चोटिल हो गए थे। बुमराह की चोट को देखते हुए ह चयनकर्ता उन्हें कप्तान के लिए प्रबल दावेदार नहीं मान रहे हैं। मांजरेकर ने कहा, मैं हैरान हूं कि हम टेस्ट कप्तान के तौर पर बुमराह के अलावा किसी और विकल्प पर विचार कर रहे हैं। उनकी चोटों को लेकर चिंतित हैं? तो अपने उप-कप्तान को सावधानी से चुनें। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के पहले और पांचवें मैच में टीम की कप्तानी की थी। अंतिम टेस्ट के दौरान वह चोटिल हो गए थे, इस चोट की वजह से उन्हें तीन महीने क्रिकेट से दूर रहना पड़ा था और वह चैंपियंस ट्रॉफी में भी नहीं खेल पाये थे। ऐसे में चयनकर्ता ऐसे नाम पर विचार कर रहे हैं जो सभी मैच के लिए उपलब्ध हो और जिसपर चोट का कम से कम प्रभाव हो, ऐसे में बुमराह कप्तानी की सूची से बाहर हो गये हैं। इन चिंताओं के बावजूद, मांजरेकर का मानना है कि बुमराह कप्तानी के सबसे बड़े उम्मीदवार हैं। इससे पहले पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भी बुमराह का समर्थन करते हुए कहा था कि अतिरिक्त जिम्मेदारी से इस तेज गेंदबाज को अपने कार्यभार को अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में मदद मिल सकती है।

ऑस्ट्रेलिया से मुकाबले में सावधान रहे : डिविलियर्स

जोहांसबर्ग।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर ए बी डिविलियर्स ने अपने देश की टीम से कहा है कि वह आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल (डब्लयूटीसी) में ऑस्ट्रेलिया से होने वाले मुकाबले को लेकर सावधान रहे। डिविलियर्स ने कहा है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम को कभी भी हल्के में लेने की भूल नुकसानदेह रहेगी। साथ ही कहा कि जब भी उसे हावी होने का अवसर मिले उसका लाभ उठाये और ऑस्ट्रेलिया को उसी के आक्रामक अंदाज में जवाब दे। डब्लयूटीसी फाइनल मुकाबला 11 जून से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। पूर्व कप्तान ने कहा भले ही इस बार हमारी टीम में अनुभव की कमी हो, फिर भी वह कमजोर नहीं है। इस मैच के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम में टोनी डी ज़ोरज़ी, ट्रिस्टन स्टब्स, रयान रिकेल्टन और कॉर्बिन बॉश जैसे युवा खिलाड़ियों को शामिल किया है। विलियर्स ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने पर सभी को कुछ हैरानी भी हुई क्योंकि उनकी टीम में अनुभव की कमी है हालांकि इसके बाद भी टीम में बेहर प्रदर्शन की क्षमता है। उन्होंने कहा कि हां, मुझे लगता है कि हम सभी के लिए आश्चर्य की बात है कि हम फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहे। मैं आश्चर्य इसलिए कह रहा हूं क्योंकि कि हमारी विरोधी ऑस्ट्रेलिया के पास काफी अनुभवी है। उसके पास टेस्ट मैच प्रारूप में सबसे अधिक अनुभव है और वह लगातार शीर्ष पर रहती हैं। वहीं हमारी टीम इस मामले में पीछे हैं। टीम इस बार कई युवा और अनुभवहीन खिलाड़ियों के होने के बाद भी कमाल का प्रदर्शन करने में सफल रही है।

डी विलियर्स ने कहा कि जब भी उन्हें हावी होने का मौका मिले, उन्हें इसका लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा पाया है कि उनके खिलाफ खेलने का सबसे अच्छा तरीका उन्हीं के अंदाज में जवाब देना है। इसका मतलब यह नहीं कि यह हर किसी के लिए काम करेगा। व्यक्तिगत रूप से, मुझे लगता है कि यह इसका सबसे

अच्छा तरीका है। दक्षिण अफ्रीका ने 8 जीत, 3 हार और 1 ड्रॉ के साथ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप स्टैंडिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया। टीम टेम्बा बवुमा की कप्तानी में उतरेगी।

अर्शदीप को इंग्लैंड दौरे में मिल सकती है जगह

नई दिल्ली।

बांए हाथ के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को अगले माह होने वाले इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में जगह मिलने की काफी संभावनाएं हैं। अर्शदीप ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सीमित ओवरों के क्रिकेट में उनकी गेंदबाजी प्रभावी रही है, इसके अलावा बांए हाथ का गेंदबाज हर टीम अपने पास चाहती है जिससे भी उनकी मांग रहेगी। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। ये भी अटकलें हैं कि अर्शदीप को अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के विकल्प के तौर पर रखा जा सकता है। वहीं हर्षित राणा भारत ए टीम के साथ इंग्लैंड जाएंगे। पिछले कुछ समय में शमी का फॉर्म और फिटनेस एक बड़ी चिंता का कारण रहा है। आईपीएल में भी वह प्रभावित नहीं कर पाये हैं। ऐसे में अगर शमी को टीम में जगह नहीं मिलती है तो मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के जोड़ीदार के तौर पर अर्शदीप खेलते हुए दिखेंगे। अर्शदीप का आईपीएल के इस सत्र में प्रदर्शन अच्छा रहा है और वह पर्पल कैप के दावेदारों में भी शामिल हैं। भारत का इंग्लैंड दौरा 20 से 24 जून तक हेडिंग्ले, लीड्स में पहले टेस्ट के साथ शुरू होगा। इसके बाद दूसरा टेस्ट 2 से 6 जुलाई तक खेला जाएगा, तीसरा टेस्ट 10 से 14 जुलाई तक लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर होगा। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में 23 से 27 जुलाई तक चौथा टेस्ट खेला जाएगा, जबकि पांचवां और अंतिम टेस्ट 31 जुलाई से 4 अगस्त तक लंदन के द ओवल में खेला जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गर्मी के मौसम में हर रोज पिएं एक गिलास छाछ, नहीं होगा डिहाड्रेशन

पुराने जमाने से गर्मियों के मौसम में छाछ पीने की सलाह दी जाती रही है। छाछ यानी मट्ठा यानी बटरमिल्क पीने से आपकी सेहत पर ढेर सारे पॉजिटिव असर पड़ सकते हैं। गर्मियों में लोग अक्सर डिहाइड्रेशन की समस्या का शिकार बन जाते हैं। लेकिन अगर आप एक गिलास छाछ पीना शुरू कर देंगे, तो डिहाइड्रेशन के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि रोज छाछ पीने से आपके शरीर पर क्या असर पड़ सकता है–

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

छाछ में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी गट हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए छाछ का सेवन किया जा सकता है। इसके अलावा मट्ठा पीने से आपकी बॉडी को ठंडक पहुंचती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि छाछ में विटामिन्स, कैल्शियम और प्रोटीन समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है।

बूस्ट करे इम्यून सिस्टम

मट्ठा पीकर आप अपने इम्यून सिस्टम को काफी हद तक मजबूत बना सकते हैं। कमजोर इम्यूनिटी की वजह से बार-बार बीमार पड़ने से बचने के लिए छाछ पीना शुरू कर दीजिए। इसके अलावा कैल्शियम रिच छाछ आपकी बोन हेल्थ और मसल हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकती है। वेट लॉस जर्नी को आसान बनाने के लिए भी छाछ को रेगुलरली कंज्यूम किया जा सकता है।

महसूस कर पाएंगे एनर्जेटिक

छाछ में पाए जाने वाले तत्व आपकी थकान और कमजोरी को दूर करने में कारगर साबित हो सकते हैं। छाछ पीकर आप पूरे दिन एनर्जेटिक महसूस कर पाएंगे। कुल मिलाकर गर्मियों में एक गिलास छाछ, आपकी ओवरऑल हेल्थ को काफी हद तक इम्प्रूव कर सकती है।

इन आसान घरेलू उपायों से पाएं स्किन पिगमेंटेशन और दाग-धब्बों से छुटकारा

चेहरे पर पिगमेंटेशन मेलेनिन के ज्यादा प्रोडक्शन के कारण होता है, जो अक्सर सूरज के संपर्क में आने या गर्भावस्था के दौरान हार्मोनल बदलाव जैसे फैक्टर्स के कारण होता है. इन कारणों से काले धब्बे हटाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है. ऐसे में इस खबर में पिगमेंटेशन को नेचुरल रूप से कम करने के लिए कुछ टिप्स दिए गए हैं, जिनके इस्तेमाल से पिगमेंटेशन के कारण होने वाले काले धब्बों को हटाने में मदद मिल सकती है.

इस आसान घरेलू उपाय को ऐसे आजमाएं...

लाल प्याज का रस

लाल प्याज की त्वचा को चमकदार बनाने के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है. कई अध्ययनों से पता चलता है कि यह एक्स्ट्रा पिगमेंटेशन को रोकने की क्षमता रखता है. इसके लिए सबसे पहले लाल प्याज को बारीक काट लें, फिर कटे हुए प्याज को एक खाली टी बैग में भर लें. अब बैग को हाइपरपिग्मेंटेड एरिया पर धीरे से लगाएं, फिर 10 मिनट के लिए छोड़ दें, और अब चेहरे को पानी से धो लें. ऐसा हफ्ते में 2-3 बार करें. आप चाहें तो प्याज को अच्छे से पीसकर उसका रस निकाल कर रूई से अपनी त्वचा पर लगा सकते हैं.

चेहरे पर दही या दूध का इस्तेमाल

हाइपरपिग्मेंटेशन के लिए नेचुरल केमिकल के रूप में लैक्टिक एसिड का इस्तेमाल भी बहुत फायदेमंद होता है. इसके लिए आपको महंगे मास्क की जरूरत नहीं पड़ेगी. आप ऑर्गेनिक दही या दूध का इस्तेमाल करके अपने चेहरे की रंगत निखार सकते हैं. इसके लिए 1 से 2 चम्मच दूध या दही लें, फिर इसे कॉटन बॉल की मदद से पिगमेंटेड एरिया पर लगाएं और 5 मिनट के लिए छोड़ दें. फिर साफ पानी से चेहरा धो लें. चेहरा धोने के बाद कोई भी मॉइश्चराइजर लगा लें. अच्छे नतीजों के लिए इसे हर रोज दिन में दो बार दोहराएं, जैसे सुबह और रात को सोने से पहले. इससे चेहरे से पिगमेंटेशन कम होने में मदद मिलेगी और चेहरे पर ग्लो भी आएगा.

शहतूत के पत्ते पीस कर लगाएं

नेचुरल तरीके से पिगमेंटेशन को कम करने के लिए शहतूत के पत्तों को बेहद उपयोगी माना जाता है. इन पत्तियों रस या अर्क में पिगमेंटेशन को कम क्षमता होती है. इसे रोजाना लगाने से बेहतर परिणाम मिलते हैं.

चेहरे पर एलोवेरा जेल का उपयोग करें

एलोवेरा जेल हमारी त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद है. एलोवेरा जेल में पाया जाने वाला एलोइन या एलोइन प्राकृतिक रूप से पिगमेंटेशन को कम करने में मदद करता है. इसके रोजाना इस्तेमाल से चेहरे से काले धब्बे हटाने में मदद मिलती है.

एप्पल साइडर विनेगर

एप्पल साइडर विनेगर एसिटिक एसिड के साथ हाइपरपिग्मेंटेशन से लड़ता है, जो त्वचा को गोरा करने वाला एजेंट है. यह एक एंटीऑक्सीडेंट के रूप में भी काम करता है, इसके साथ ही कोशिकाओं की सुरक्षा करता है. हालांकि, अगर आपको त्वचा से जुड़ी कोई अन्य समस्या है, तो सावधानी बरतें.

इसका इस्तेमाल इस तरह करें

बराबर मात्रा में एप्पल साइडर विनेगर और साफ पानी मिलाएं

फिर इसे काले धब्बों पर लगाएं और 2-3 मिनट के लिए छोड़ दें

अब गुनगुने पानी से धो लें

रोजाना इसे दो बार दोहराएं

एसपीएफ़ 30 या उससे अधिक वाला सनस्क्रीन इस्तेमाल करें

काले धब्बों को हल्का करने में समय लगता है, आमतौर पर 6-12 महीने. सनस्क्रीन का रोजाना इस्तेमाल पिगमेंटेशन को कम करने और त्वचा को चमकदार बनाने में मदद कर सकता है. ऐसा सनस्क्रीन चुनें जिसमें जिंक ऑक्साइड या टाइटेनियम डाइऑक्साइड के साथ एसपीएफ़ 30+ हो. साथ ही, तैलीय त्वचा के लिए ऐसा सनस्क्रीन चुनें जो नॉन-कॉमेडोजेनिकफ़ और फ़नॉन-पोर-क्लॉगिंग हो.

रेटिनॉल का इस्तेमाल करें

रेटिनॉल काई स्किन रिलेटेड प्रोब्लेम्स के लिए फायदेमंद हो सकता है, जिसमें झुर्रियों की उपस्थिति को कम करना, मुंहासों में सुधार करना और हाइपरपिग्मेंटेशन को कम करना शामिल है. यह कोशिका के टर्नओवर को बढ़ाकर, कोलेजन प्रोडक्शन को उत्तेजित करके और छिद्रों को खोलने में मदद करके काम करता है. हालांकि, यह त्वचा में जलन और सूखापन भी पैदा कर सकता है, इसलिए इसका सही तरीके से उपयोग करना और जरूरत पड़ने पर त्वचा विशेषज्ञ से परामर्श करना महत्वपूर्ण है.

त्वचा को गोरा करने वाले ऐसे उत्पादों से बचें जिनमें मरकरी हो

अपनी त्वचा पर मरकरी युक्त प्रोडक्ट लगाते समय सावधान रहें. कुछ गोरा करने वाली क्रीम या मास्क में मरकरी होता है. इसलिए ऐसे उत्पादों को लगाने से पहले सावधानी से जांच लें. पारा युक्त सौंदर्य उत्पादों से बचें क्योंकि वे पतली, नाजुक त्वचा या स्थायी मलिनकिरण का कारण बन सकते हैं.

विटामिन सी से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करें

त्वचा विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार, विटामिन सी बेदाग त्वचा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. त्वरित परिणामों के लिए, अपने आहार में विटामिन सी शामिल करें.

क्या आप खाना खाने के तुरंत बाद पीते हैं चाय? तो आज ही छोड़ दे

हममें से कई लोग चाय के आदी होते हैं. बहुत से लोग सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक किसी भी समय चाय पीना पसंद करते हैं. ऑफिस कर्मचारियों से लेकर कॉलेज के बच्चों तक, हर कोई दिन में कम से कम दो या तीन बार चाय पीता है. ऐसा इसलिए क्योंकि चाय पीने से शरीर तुरंत एक्टिव महसूस करता है. इसके अलावा, यह सुस्ती को भी दूर करता है और थकान को कम करता है. कुछ शोध बताते हैं कि सुबह चाय पीने से दिमाग अलर्ट रहता है.

आपको बता दें, चाय का सेवन सिर्फ भारतीय ही नहीं बल्कि ईरान, अमेरिका आदि देशों के लोग भी करते हैं. हालांकि, कई लोगों को खाने के बाद भी चाय पीने की आदत होती है.

खाना खाने के बाद चाय पीना सही या गलत? जानें

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि भोजन के बाद चाय पीना कुछ हद तक ठीक नहीं है. विशेषज्ञों का कहना है कि चावल खाने के तुरंत बाद चाय पीने से पाचन तंत्र और पोषक तत्वों के अवशोषण में बाधा आ सकती है. चाय के कुछ गुण पाचन को प्रभावित करते हैं. स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि चावल खाने के तुरंत बाद चाय पीने से पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं.

चाय में मौजूद टैनिन और कैफीन जैसे केमिकल्स पाचन प्रक्रिया को धीमा कर देते हैं. वहीं, डायबिटीज रोगियों को खास तौर से खाने के तुरंत बाद चाय पीने से बचना चाहिए. अन्यथा, ब्लड शुगर का लेवल बढ़ने की सम्भावना रहती है.

खाना खाने के बाद चाय पीने के नुकासान

यदि आप भोजन के तुरंत बाद चाय पीते हैं, तो संभावना है कि इसमें मौजूद कैफीन मस्तिष्क पर दबाव डालेगा.. इससे कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं. वहीं, खाने के बाद चाय के सेवन से पेट में एसिडिटी बढ़ने और पेट दर्द जैसी समस्याएं होने का खतरा रहता है. यदि आपको पहले से ही एसिडिटी, पेट दर्द या पाचन संबंधी समस्याएं हैं, तो चावल खाने के बाद चाय पीने से बचना सबसे अच्छा है. चाय में मौजूद फॉस्फोरिक एसिड हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है. कैफीन ब्लड प्रेशर बढ़ाता है. इसके साथ ही भोजन के बाद चाय पीने से नींद में बाधा आ सकती है.

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के साथ-साथ कई अध्ययनों में इस बात का खुलासा हुआ है कि बहुत अधिक चाय और कॉफी पीने से मधुमेह हो सकता है. वहीं, विशेषज्ञों का कहना है कि कोल्ड ड्रिंक्स का लगातार सेवन वजन बढ़ाने में मदद कर सकता है. इसके अलावा, हैदराबाद स्थित टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर) के शोधकर्ताओं का कहना है कि जो लोग दिन में दो बार से ज्यादा चीनी वाली चाय और कॉफी पीते हैं, उनमें मधुमेह के साथ-साथ मोटापे का भी खतरा बढ़ जाता है और जो लोग सॉफ्ट ड्रिंक्स का सेवन करते हैं, उनमें मोटापे के साथ-साथ टाइप-2 मधुमेह का भी खतरा बढ़ जाता है. टीआईएफआर के शोधकर्ता प्रो. उलास एस ने बताया कि चाय, कॉफी और सॉफ्ट ड्रिंक्स में मौजूद सुक्रोज से लीवर, मांसपेशियां और छोटी आंत बुरी तरह प्रभावित होती हैं. उन्होंने कहा कि लोगों को कोशिश करनी चाहिए कि चाय और कॉफी बिना चीनी के पिएं. जितना ज्यादा सॉफ्ट ड्रिंक्स से दूर रहेंगे, उतना ही बेहतर होगा.

रोजाना बच्चों को एक चम्मच घी खिलाने से क्या होगा? फिजिशियन ने बताए फायदे और नुकसान

भारतीय घर की रसोई में एक चीज जरूर आपको मिलेगी वो है घी। चपाती पर लगाने से लेकर दाल में डालकर खाने तक इसका इस्तेमाल किया जाता है। ये न केवल खाने का स्वाद बढ़ा देता है बल्कि सीमित मात्रा में खाए जाने पर सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। घी में विटामिन ए, विटामिन डी, विटामिन ई, विटामिन के, ओमेगा-3 फैटी एसिड, ओमेगा-6 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट जैसे तमाम गुण पाए जाते हैं। कई लोग छोटे बच्चों को घी खिलाने को लेकर कंफ्यूजन में रहते हैं कि कब से उनकी डाइट में घी को शामिल करना चाहिए। या फिर रोजाना बच्चे को एक चम्मच घी खिलाने से क्या होगा? आपके इस सवाल का जवाब हम डॉक्टर से लेकर आए हैं। इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत के दौरान हैदराबाद के यशोदा हॉस्पिटल्स में फिजीशियन और मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ रंगा संतोष ने इसके बारे में विस्तार से बताया। आइए जानते हैं इसके बारे में।

घी खाने के फायदे

डॉ. रंगा संतोष कुमार ने बताया कि घी खाना शरीर के लिए फायदेमंद होता है। इसमें प्रति ग्राम लगभग 900 कैलोरी होती है। इसे खाने से शरीर को ऊर्जा मिलती है। यह कई बीमारियों से भी हमें बचाता है। घी का सेवन करने से पाचन तंत्र भी सुचारू रूप से कार्य करता है।

त्वचा को मिलता पोषण

यशोदा अस्पताल के वरिष्ठ फिजीशियन डॉ. दिलीप गुडे के अनुसार घी पचने में बहुत आसान है। घी में ब्यूटिरेट होता है, जो एक प्रकार का शॉर्ट-चेन फैटी एसिड है। ये पेट की सेहत के लिए जरूरी होता है। घी सूजन को कम करता है। इसे खाने से त्वचा को पोषण मिलता है।

घी खाने से मजबूत होती हड्डियां

डॉ. कुमार ने बताया कि रोजाना थोड़ी मात्रा में घी खाने से संपूर्ण स्वास्थ्य बेहतर हो सकता है। इसे खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं। हालांकि उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अधिक मात्रा में घी का सेवन करने से शरीर को गंभीर नुकसान भी हो सकता है।

रोजाना बच्चों को घी खिलाने से क्या होता है?

विशेषज्ञों के अनुसार बच्चों को रोजाना घी खिलाने से उनकी याददाश्त तेज होती है। इतना ही नहीं उनकी दृष्टि तेज होती है। साथ ही बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता में सुधार होता है।

सुबह-सुबह चबाएं औषधीय गुणों से भरपूर तुलसी के 4 पत्ते

तुलसी के पत्तों में विटामिन सी, जिंक और आयरन जैसे पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि तुलसी के पत्तों में एंटी-ऑक्सीडेंट्स और एंटी-माइक्रोबियल गुण भी मौजूद होते हैं। आयुर्वेद के मुताबिक तुलसी के पत्तों का इस्तेमाल दवाई की तरह भी किया जा सकता है। आइए तुलसी के पत्तों को चबाने के कुछ फायदों के बारे में जानते हैं।

बूस्ट करे इम्यूनिटी- हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक तुलसी के पत्तों को चबाकर आप अपने इम्यून सिस्टम को काफी हद तक मजबूत बना सकते हैं। अगर आप बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, तो आपको तुलसी के पत्तों को अपने डेली डाइट प्लान में जरूर शामिल करके देखना चाहिए। खांसी-जुकाम की समस्या से छुटकारा पाने के लिए भी तुलसी के पत्तों को चबाया जा सकता है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद - अगर आप रेगुलरली तुलसी के पत्तों को चबाते हैं, तो आप अपनी गट हेल्थ को काफी हद तक सुधार सकते हैं। फाइबर रिच तुलसी के पत्ते कब्ज और गैस जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा दिलाने में भी कारगर साबित हो सकते हैं।

बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आपको खाली पेट तुलसी के पत्तों को चबाना चाहिए।

कंट्रोल करे ब्लड शुगर - तुलसी के पत्तों को चबाकर ब्लड शुगर लेवल पर काफी हद तक काबू पाया जा सकता है। तुलसी के पत्तों की मदद से आपको बैड ब्रेथ की समस्या से भी छुटकारा मिल सकता है। तुलसी के पत्ते आपकी फिजिकल हेल्थ के साथ-साथ आपकी मेंटल हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं। तुलसी के पत्तों में पाए जाने वाले तत्व तनाव को कम करने में भी कारगर साबित हो सकते हैं। कुल मिलाकर तुलसी के पत्ते आपकी ओवरऑल हेल्थ को सुधारने में मददगार साबित हो सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दोनों देशों के लिए 'व्यापारिक समझौता' लाभदायक होना जरूरी है, अमेरिका को लेकर जयशंकर का बयान

नई दिल्ली।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान की ओर से युद्धविराम की बात करने से पहले, भारत ने यह स्पष्ट किया था कि वह केवल आतंकवादी संरचनाओं को नष्ट कर रहा है, न कि पाकिस्तान की सेना को निशाना बना रहा है। विदेश मंत्री ने कहा कि 7 मई को पाकिस्तान को चेतावनी दी गई थी कि वे अपनी सेना को इस कार्रवाई से अलग रखें, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। 10 मई को भारतीय कार्रवाई से पाकिस्तान को भारी नुकसान हुआ, जिसके बाद उसने युद्धविराम की बात की, जिससे यह स्पष्ट होता है कि पाकिस्तान ही युद्धविराम चाहता था। एस जयशंकर ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत-पाकिस्तान के बीच संबंध केवल द्विपक्षीय होंगे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से केवल आतंकवाद पर ही वार्ता की जाएगी और पाकिस्तान को अपनी आतंकवादी संरचनाओं को समाप्त करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू और कश्मीर मुद्दे पर केवल पीओके की वापसी पर चर्चा की जाएगी, न कि किसी और विषय पर बात होगी। एस जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता जारी है और यह एक जटिल प्रक्रिया है।

उन्होंने कहा कि कोई भी व्यापारिक समझौता तब तक नहीं हो सकता, जब तक वह दोनों देशों के लिए लाभकारी न हो। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है और इस पर अधिक विचार-विमर्श की आवश्यकता है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एप्पल के सीईओ टीम कुक से कहा कि वह भारत में फैक्ट्रियां नहीं लगाएं। ट्रंप के इस बयान के

बाद जयशंकर ने ये बातें कही हैं। इसके साथ ही, एस जयशंकर ने होंडुरास के साथ भारत के बढ़ते व्यापारिक संबंधों का स्वागत किया और कहा कि यह देश भारत का समर्थन करता है, खासकर पलगाम हमले के बाद, जब होंडुरास ने भारत के पक्ष में मजबूत एकजुटता दिखाई थी।

इधर भारत पाक के आतंकियों से निपट रहा था, उधर चीन ने बंगाल की खाड़ी में चली नई चाल

नई दिल्ली।

बीते एक पखवाड़े से भारतीय सेना पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के तहत एक्शन में व्यस्त थी। इसी बीच चीन ने हिन्द महासागर में बड़ी हिमाकत कर दी। चीन की हिमाकत इतनी बड़ी थी कि इसका पता चलते ही भारतीय नेवी तुरंत एक्शन में आ गई। वो सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। दरअसल, हुआ कुछ यूं कि भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच चीनी का जासूसी जहाज 'दा यांग हाओ' मलक्का स्ट्रेट से होते हुए सीधे बंगाल की खाड़ी में पहुंच गया। भारत हमेशा से ही चीन के रिसर्च वेसल को बंगाल की खाड़ी में आने से रोकता रहा है। चाहे बांग्लादेश हो या फिर श्रीलंका या मालदीव, भारत अपने हर पड़ोसी के साथ मिलकर चीन को इस क्षेत्र में आने से रोकने का हर संभव प्रयास करता है। भारत पाकिस्तान संग बीजी था। तभी चीन का आधुनिक रिसर्च जहाजों गुपचुप तरीके से यहां आ गया। इस जहाज को चीन की 'फ्लोटिंग लैब' के नाम से भी जाना जाता है। हालांकि, भारत और अन्य देश इसे एक जासूसी जहाज ही मानते हैं। यह वेसल समुद्र की गहराई का नक्शा बनाने के लिए जाना जाता है। इस जहाज की मदद से ही चीन मिसाइलों को ट्रैक करने और पनडुब्बियों की गतिविधियों की निगरानी करने में सक्षम हो सका है। ओपन-सोर्स इंटेलिजेंस विशेषज्ञ डेमियन साइमन ने बताया कि यह जहाज श्रीलंका के दक्षिण की ओर बढ़ रहा था। ड्रैगन ने 2019 में इसे अपने बेड़े में शामिल किया था। पिछले कुछ वर्षों में चीन के ऐसे कई जहाज रिसर्च वेसल हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी में नजर आए हैं। माना जाता है कि चीन का यह जहाज रिसर्च के नाम पर सैन्य अभियानों के लिए अहम डेटा इकट्ठा करता है। माना जाता है कि चीन की नौसेना के पास दा यांग हाओ जैसे कुल चार और रिसर्च जहाज हैं। जियांग यांग होंग 3 ने हाल ही में मालदीव की राजधानी माले में दो बार डॉक किया था। दावा किया जा रहा है कि जियांग यांग होंग 1 भारतीय मिसाइल टेस्ट से ठीक पहले बंगाल की खाड़ी में देखा गया।

नक्सलवाद पर बोले पीएम मोदी- शांति स्थापना और विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर 31 नक्सलियों के मारे जाने की हालिया घटना यह स्पष्ट करती है कि सरकार वामपंथी उग्रवाद को जड़ से खत्म करने के अपने मिशन में सही दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने यह बात सोशल मीडिया मंच एक्स पर बुधवार को साझा एक पोस्ट में कही। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा, कि सुरक्षा बलों की यह सफलता बताती है कि नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने की दिशा में हमारा अभियान सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति की स्थापना और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए हम पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस मुठभेड़ को नक्सलवाद के विरुद्ध अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन बताया था। उन्होंने कहा था कि छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा के करेंगुट्टा पहाड़ी (केजीएच) पर सुरक्षा बलों ने 31 कुख्यात नक्सलियों को ढेर कर एक ऐतिहासिक सफलता दर्ज की है। अमित शाह ने यह भी कहा, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम नक्सलवाद को जड़ से मिटाने के लिए संकल्पित हैं। मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि 31 मार्च 2026 तक भारत नक्सल मुक्त होगा।

बड़ी रणनीतिक कामयाबी

इस ऑपरेशन को केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों और राज्य पुलिस बलों के बीच बेहतर समन्वय का परिणाम माना जा रहा है।

यह कार्रवाई न केवल नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की मजबूती दर्शाती है, बल्कि सरकार के उस दीर्घकालिक दृष्टिकोण को भी रेखांकित करती है, जिसमें आतंक और उग्रवाद को खत्म कर शांति व विकास को प्राथमिकता दी गई है। छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर नक्सल विरोधी अभियान में मिली इस बड़ी सफलता ने सरकार की नीति को और बल प्रदान किया है। केंद्र सरकार अब नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचे के जरिए मुख्यधारा से जोड़ने के अपने संकल्प को और मजबूती से आगे बढ़ा रही है।

राजौरी और पुंछ में बढ़ी सैन्य सक्रियता, एलओसी पर सुरक्षा स्थिति की हुई समीक्षा

श्रीनगर।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी और पुंछ जिलों में पाकिस्तान की हालिया गोलाबारी और आतंकी गतिविधियों के बीच सुरक्षा को लेकर सेना की सक्रियता बढ़ गई है। व्हाइट नाइट कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल पी.के. मिश्रा ने बुधवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास स्थित अग्रिम इलाकों का दौरा किया और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की।

लेफ्टिनेंट जनरल मिश्रा के साथ आतंकवाद रोधी रोमियो फोर्स के जीओसी मेजर जनरल मनीष गुप्ता भी मौजूद थे। दोनों अधिकारियों ने राजौरी जिले में नारियां और जर्रान वाली गली तथा पुंछ जिले में तोता गली सेक्टर का दौरा किया। 07 मई से दस मई के बीच पुंछ और राजौरी जिलों में हुई अंधाधुंध गोलाबारी और आतंकी हमलों में 20 से अधिक लोग मारे गए, जिनमें कई सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं। इसके अलावा 50 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिससे क्षेत्र में तनाव और चौकसी का स्तर काफी बढ़ गया है।

सैनिकों के मनोबल की सराहना

व्हाइट नाइट कोर की ओर से सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर जारी एक बयान में बताया गया कि लेफ्टिनेंट जनरल मिश्रा ने अग्रिम चौकियों पर तैनात जवानों से मुलाकात की और उनके साहस व पेशेवर रवैये की सराहना की। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष और क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए जवानों को उच्च मनोबल और तत्परता बनाए रखने का आह्वान किया।

अब पुराने रूट से भी केदारनाथ यात्रा, रामबाड़ा से गरुड़चट्टी का रास्ता किया जा रहा ठीक

2013 की आपदा में हुआ था भारी नुकसान, यात्रियों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

देहरादून,(ईएमएस)। केदारनाथ यात्रा अब पुराने पैदल रास्ते से भी पूरी की जा सकेगी। इसको लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। केदारनाथ रूट पर रामबाड़ा से गरुड़चट्टी के बीच पुराने रास्ते की मरम्मत का काम अंतिम चरण में है। लोक निर्माण विभाग ने इस साल इस काम को पूरा करने का लक्ष्य रखा है। बता दें 2013 की केदारनाथ आपदा के दौरान गौरीकुंड से केदारनाथ का पैदल रास्ता बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। खासकर रामबाड़ा से गरुड़चट्टी के बीच रास्ता पानी में बह गया था। इससे लोनिवि को नदी के दूसरी ओर नया पैदल रास्ता बनाना पड़ा। इस वजह से केदारनाथ की पैदल यात्रा 14

किमी से बढ़कर 16 किमी हो गई थी।

पैदल रास्ता लंबा होने की वजह से यात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था। विभाग के सचिव ने बताया कि केदारनाथ के पुराने रास्ते को ठीक करने का काम जारी है। विभाग के अधिकारियों को इस साल रामबाड़ा से गरुड़चट्टी तक के पैदल रास्ते को ठीक करने के निर्देश दिए गए हैं। उम्मीद है कि बरसात के बाद इस साल यात्री पुराने पैदल मार्ग से यात्रा कर सकेंगे। रूट को ठीक करने की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। रूट पर तीर्थ यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

मुंबई एयरपोर्ट से हवाई यात्रा होगी महंगी, टिकट में ही शामिल होगा बढ़ा हुआ शुल्क

मुंबई।

एयरपोर्ट्स इकोनॉमिक रेगुलेटरी अथॉरिटी द्वारा मंजूर यूजर डेवलपमेंट फीस लागू होने के कारण आज यानि शुक्रवार से मुंबई से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट टिकट के दाम बढ़ जाएंगे। यह शुल्क 31 मार्च 2029 तक लागू रहेगा। यूजर डेवलपमेंट फीस के कारण यात्रियों को घरेलू यात्रा के लिए 175 रुपये और अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए 615 रुपये अतिरिक्त देने होंगे। यह बढ़ा हुआ शुल्क फ्लाइट टिकट में शामिल होगा। अगस्त 2024 तक घरेलू यात्रा के लिए यह शुल्क 120 रुपये था। फिलहाल यह शुल्क सिर्फ अंतरराष्ट्रीय यात्रियों पर लागू है। मुंबई आने वाली घरेलू उड़ानों के लिए अब 75 रुपये लगेंगे। जबकि विदेश से आने वाले यात्रियों को 260 रुपये का शुल्क देना होगा। इस शुल्क वृद्धि के मद्देनजर घरेलू टिकटों के लिए 250 रुपये और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए 875 रुपये अतिरिक्त लिए जाएंगे। आम तौर पर किसी एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाले यात्रियों के टिकट पर यह शुल्क लगाया जाता है। मुंबई एयरपोर्ट पर यह शुल्क आने-जाने वाली दोनों उड़ानों पर लगाया जाएगा। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की परिचालक अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड की सहायक कंपनी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एमआईएएल) ने मुंबई एयरपोर्ट पर बुनियादी ढांचे के विकास और प्रौद्योगिकी उन्नयन परियोजनाओं के लिए यह शुल्क लगाने का प्रस्ताव दिया था। इसने घरेलू यात्रियों के लिए 325 रुपये और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए 650 रुपये शुल्क का प्रस्ताव रखा था। अब सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाएं सुनने को मिल रही हैं कि क्या इस शुल्क बढ़ोतरी से शौचालय से लेकर यात्रा के अनुभव में सुधार आएगा। इस बीच, जैसा कि एयरपोर्ट्स इकोनॉमिक रेगुलेटरी अथॉरिटी ने यात्री सुविधा विकास शुल्क (यूजर डेवलपमेंट फीस) में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है, अब मुंबई से घरेलू यात्रा करने वाले यात्रियों की हवाई यात्रा महंगी हो जाएगी।

राष्ट्रपति मुर्मू ने पूछाः क्या विधेयकों पर मंजूरी की समयसीमा सुप्रीम कोर्ट तय कर सकता है?

नई दिल्ली।

राष्ट्रपति या राज्यपाल द्वारा कई वार विधेयकों की मंजूरी को लेकर राजनीति होने लगती है। मामला कोर्ट में जाता है। ऐसा ही एक मामला तमिलनाडु सरकार की अपने राज्यपाल के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद से ही यह सवाल उठने लगा है। 8 अप्रैल को आए इस फैसले पर अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस पर सुप्रीम कोर्ट से औपचारिक राय मांगी है। राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 143(1) के तहत 14 बेहद अहम सवाल पूछते हुए यह साफ किया है कि संविधान में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है जो विधेयकों पर मंजूरी या नामंजूरी की समयसीमा तय करती हो।राष्ट्रपति ने कहा कि राज्यपाल और राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 200 और 201 के तहत विधेयकों पर फैसला लेते हैं, लेकिन ये अनुच्छेद कहीं भी कोई समयसीमा या प्रक्रिया निर्धारित नहीं करते। उन्होंने यह भी कहा कि राज्यपाल और राष्ट्रपति का यह विवेकपूर्ण निर्णय संघवाद, कानूनों की एकरूपता, राष्ट्रीय सुरक्षा और शक्तियों के बीच संतुलन जैसे बहुपक्षीय पहलुओं पर आधारित होता है।

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने 8 अप्रैल को अपने 415 पन्नों के फैसले में कहा था कि राज्यपाल को विधेयक मिलने के तीन महीने के भीतर निर्णय लेना होगा। अगर विधानसभा दोबारा वही विधेयक पारित कर भेजती है, तो राज्यपाल को एक महीने के अंदर मंजूरी देनी होगी। वहीं राष्ट्रपति को भी उस विधेयकों पर तीन महीने के भीतर निर्णय करना होगा।राष्ट्रपति मुर्मू ने कोर्ट की तरफ से तमिलनाडु के 10 पेंडिंग बिल को 'डिम्ड असेंट' (माना जाएगा कि मंजूरी मिल गई) बताने पर भी आपत्ति जताई और कहा कि यह संविधान की मूल भावना के विरुद्ध है। उन्होंने कहा, 'डिम्ड असेंट जैसी कोई अवधारणा संविधान में नहीं है। यह राष्ट्रपति और राज्यपाल की संवैधानिक शक्तियों को सीमित करती है।' राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से यह भी पूछा कि क्या अनुच्छेद 142 का प्रयोग ऐसे मामलों में किया जा सकता है, जो पहले से ही संविधान या कानूनों में स्पष्ट रूप से परिभाषित हैं? यह अनुच्छेद न्याय सुनिश्चित करने के लिए न्यायापालिका को विशेष अधिकार देता है।

अनुच्छेद 32 बनाम अनुच्छेद 131 पर चिंता

राष्ट्रपति ने यह भी सवाल उठाया कि केंद्र और राज्य के बीच संवैधानिक विवादों को लेकर राज्य सरकारें अनुच्छेद 131 के बजाय अनुच्छेद 32 के तहत सीधे सुप्रीम कोर्ट क्यों जा रही हैं, जो कि मूल रूप से नागरिकों के मौलिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए है।

संक्षिप्त समाचार

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने टेली-काउंसलिंग आयोजित की

नई दिल्ली।

कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षा के परिणामों के बाद छात्रों को सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने मुफ्त में मनोवैज्ञानिक परामर्श सेवाओं के दूसरे चरण की शुरुआत की है। यह हेल्पलाइन 13 मई से शुरू हो चुकी है और 28 मई 2025 तक उपलब्ध रहेगी। बोर्ड ने इस तनावपूर्ण समय में छात्रों और उनके परिवारों की मानसिक लाभ सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया है। सीबीएसई परिणाम 2025 की मार्कशीट छात्र अपने रोल नंबर, एडमिट कार्ड आईडी, स्कूल कोड और जन्म तिथि जैसी लॉगिन जानकारियों के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। यह मुफ्त परामर्श सेवा विभिन्न प्रकार के सहयोग प्रदान करती है। टेली-काउंसलिंग सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। आईवीआरएस समर्थन (24म7): छात्र और अभिभावक 1800-11-8004 पर कॉल करके तनाव प्रबंधन, समय प्रबंधन और अन्य परीक्षा-संबंधित समस्याओं पर तुरंत सलाह प्राप्त कर सकते हैं। टेली-काउंसलिंगः सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक, भारत और विदेशों में स्थित सीबीएसई स्कूलों के 65 प्रशिक्षित विशेषज्ञ जिनमें प्राचार्य, काउंसलर और विशेष शिक्षक शामिल हैं, दूरभाष पर मार्गदर्शन देंगे। छात्र इन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए सीबीएसई वेबसाइट के 'काउंसलिंग'अनुभाग में जा सकते हैं या **CBSE HQ** के यूट्यूब चैनल पर विज़िट कर सकते हैं ऑनलाइन संसाधन सीबीएसई की वेबसाइट और आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षणिक दबाव को संभालने जैसे विषयों पर पॉडकास्ट और वीडियो उपलब्ध हैं। छात्र इन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए सीबीएसई वेबसाइट के 'काउंसलिंग' अनुभाग में जा सकते हैं।

मणिपुर में 10 उग्रवादी ढेर, भारी मात्रा में हथियार बरामद

इंफाल।

चांदेल जिले के खेंगजॉय इलाके में भारत-म्यांमार बॉर्डर के पास भारतीय सेना के असम राइफल्स के जवानों ने 10 उग्रवादियों को ढेर कर दिया।इंडियन आर्मी ने एक्स पर बताया कि, मणिपुर के चांदेल जिले के खेंगजॉय तहसील के न्यू समतल गांव के पास उग्रवादियों की गतिविधियों का पता चला था। भारत-म्यांमार सीमा के पास सशस्त्र कैडरों यानी उग्रवादियों की गतिविधियों की खुफिया जानकारी पर एक्शन लिया गया। स्पीयर कॉर्प्स के तहत अस राइफल्स यूनिट ने 14 मई 2025 को एक अभियान शुरू किया।जैसे ही सेना के जवानों ने ऑपरेशन शुरू किया, उग्रवादियों ने उन पर गोलियां चलाई। इसके बाद बारी मुंहतोड़ जवाब देने की थी। आधी रात को असम राइफल्स के जवानों ने तुरंत एक्शन लिया और एनकाउंटर में 10 उग्रवादियों को मार गिराया। इस दौरान उग्रवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है।भारतीय सेना का पूर्वी सीमा पर यह एक्शन ऐसे वक्त में हुआ है, जब भारत-पाक सीमा यानी एलओसी पर तनाव है। एलओसी पर आतंकी लगातार हिमाकत कर रहे हैं। बीते दिनों भारतीय सेना के जवानों ने घुसपैठ की कोशिश कर रहे तीन आतंकियों को मार गिराया था। उधर, भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव भी चरम पर है।

देशभर में जजों की कमी है दिल्ली हाईकोर्ट कोई अपवाद नहीं

नई दिल्ली।

देश की सभी अदालतों में जजों की कमी है। ऐसे में दिल्ली हाईकोर्ट इसका अपवाद नहीं है। यहां जजों की कुल स्वीकृत संख्या 60 है, जबकि महज 36 जजों से ही काम चलाना पड़ रहा है। जजों की कमी को लेकर हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल की गई थी। इस मामले में उचित दिशा-निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीके उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेडेला की पीठ ने अहम टिप्पणी की है। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा की ओर से ठोस दलील पेश की गई। इसके बाद याची ने अपनी याचिका वापस ले ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने जजों की रिक्तियों से संबंधित एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर विचार करने से इनकार करते हुए कहा कि न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया पब्लिक सर्विस में नॉर्मल रिक्रूटमेंट की तरह नहीं है। जजों की रिक्तियों और नियुक्तियों का मामला संवैधानिक है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीके उपाध्याय की पीठ सीनियर वकील अमित साहनी द्वारा दायर जनहित याचिका पर विचार कर रही थी। अमित साहनी ने दिल्ली हाईकोर्ट में जजों की कमी के मसले पर कोर्ट से निर्देश देन की मांग कर रहे थे। उन्होंने अपनी याचिका में बताया कि वर्तमान में हाईकोर्ट 60 स्वीकृत पदों के मुकाबले 36 जजों की संख्या के साथ काम कर रहा है।

सुरक्षा बलों ने 48 घंटे के भीतर ढेर कर दिए आधा दर्जन आतंकी

जम्मू।

भारतीय सुरक्षा बलों ने बीते 48 घंटों के भीतर आधा दर्जन आतंकियों को ढेर कर दिया है। ये आतंकी जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हुए थे। पुलवामा के अवंतीपोरा और शोपियां जिलों में सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों को दो अलग-अलग ऑपरेशन में बड़ी चोट दी है। बीते 48 घंटों में दो अलग-अलग मुठभेड़ों में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के कुल 6 आतंकियों को मार गिराया। उनकी पहचान आसिफ अहमद शेख, आमिर नजीर वानी और यावर अहमद भट के रूप में हुई है। तीनों पुलवामा जिले के रहने वाले थे। मंगलवार को शोपियां जिले के केलर इलाके में एक ऑपरेशन में तीन लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी मारे गए थे। इनमें दो की पहचान शाहिद कुट्टे और अदनान शफी के रूप में हुई है। शाहिद कुट्टे ने 2023 में लश्कर जॉइन किया था। वह 8 अप्रैल 2024 को डैनिश रिज़ॉर्ट में विदेशी पर्यटकों पर फायरिंग और मई 2024 में हीरपोरा में भाजपा सरपंच की हत्या में शामिल था। अदनान शफी 2024 में संगठन से जुड़ा था और शोपियां के वाची में एक प्रवासी मज़दूर की हत्या में शामिल रहा। सुरक्षाबलों को मारे गए आतंकियों के पास से तीन राइफलें, गोला-बारूद और अन्य हथियार बरामद हुए हैं।

जर्मन टूरिस्ट और सरपंच का हत्यारा भी ढेर

मारे गए आतंकियों में शाहिद कुताय बेहद खतरनाक आतंकी था। उसकी लंबे समय से सुरक्षा बलों की तलाश थी, आज वह हत्थे चढ़ा तो एनकाउंटर में उसकी फाइल ही बंद कर दी गई। उसने अप्रैल 2024 में दानिश रिजॉर्ट पर गोलियां चलाई थीं। इस हमले में दो जर्मन टूरिस्ट बुरी तरह जख्मी हुए थे। इसके अलावा उनके ड्राइवर को भी घायल हुआ था। इसी आतंकी ने बीते साल ही मई में शोपियां के एक सरपंच का कत्ल कर दिया था, जो भाजपा से जुड़े थे। शाहिद खुद भी शोपियां के ही हीरापोरा इलाके का रहने वाला था। वह मार्च 2023 में ही आतंकी संगठन में शामिल हुआ था। कुछ दिनों में ही उसका दुस्साहस इतना बढ़ गया था कि नेताओं से लेकर सुरक्षा बलों तक को टारगेट करने लगा था। इसी कड़ी में उसने बीते साल 18 मई को भाजपा नेता का कत्ल किया था। उसे ए कैटिगरी का आतंकी घोषित किया गया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाएंगे भारत व फिजी, मजबूत होंगे द्विपक्षीय संबंध

सुवा, एजेंसी। केंद्रीय विदेश और कपड़ा राज्य मंत्री पाबित्रा मार्गेरिटा ने फिजी में 146वें गिरमिट दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने के बाद फिजी के पीएम सिटिवेनी राबुका से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने प्रमुख क्षेत्रों में संबंधों और सहयोग को गहरा करने पर चर्चा की। मार्गेरिटा ने कहा, पीएम राबुका के साथ प्रमुख क्षेत्रों में भारत-फिजी द्विपक्षीय सहयोग गहरे करने पर जोर दिया। मार्गेरिटा ने गिरमिटिया लोगों की विरासत की प्रशंसा की। राष्ट्रपति रातू से साझा मूल्यों पर वार्ता विदेश व कपड़ा राज्य मंत्री पाबित्रा मार्गेरिटा ने फिजी के राष्ट्रपति रातू नाइकामा से मिलकर दोनों देशों के बीच मित्रता, सहयोग और साझा मूल्यों के बंधन को मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने 1879 में भारतीय श्रमिकों को गन्ने के बागानों में काम करने के लिए यहां लाने और उसके बाद से अब तक चले विकासक्रम पर भी चर्चा की।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुक्त व्यापार संकट में : डब्ल्यूटीओ

जिनेवा, एजेंसी। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की प्रमुख नगोजी ओकोंजो-इवेला ने मंगलवार को जापान के प्रधानमंत्री शिगारू इशिबा से मुलाकात की। इस दौरान इवेला ने कहा कि वैश्विक स्तर पर मुक्त व्यापार संकट में है। डब्ल्यूटीओ महानिदेशक ने इशिबा से कहा कि खुले बाजारों में अग्रणी होने के नाते उन्हें जापान से काफी उम्मीदें हैं, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने तेजी से बदलते शुल्क एवं अन्य नीतियों के साथ विश्व वाणिज्य को बाधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, व्यापार वर्तमान में बेहद चुनौतीपूर्ण समय का सामना कर रहा है और यह काफी कठिन है। जापान के विदेश मंत्रालय ने उनके हवाले से कहा, हमें इस संकट का इस्तेमाल हमारे सामने मौजूद चुनौतियों को हल करने के मौके के रूप में करना चाहिए और व्यापार में नए रुझानों का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के अग्रणी ' के तौर पर जापान को डब्ल्यूटीओ को बनाए रखने, मजबूत करने तथा बेहतर बनाने में मदद करनी चाहिए।

जर्मनी ने दक्षिणपंथी किंगडम ऑफ जर्मनी समूह पर प्रतिबंध लगाया

बर्लिन, एजेंसी। जर्मन सरकार ने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए खतरा बताते हुए दक्षिणपंथी संगठन किंगडम ऑफ जर्मनी पर प्रतिबंध लगा दिया है। इतना ही नहीं, कई राज्यों में छापेमारी कर इसके चार नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। गृहमंत्री अलेक्जेंडर डोब्रिंड्ट ने इस समूह पर प्रतिबंध की घोषणा करते हुए कहा कि इसके सदस्यों ने यहूदी विरोधी साजिशों का इस्तेमाल करके सत्ता पर अपने दावों को पुख्ता किया है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। डोब्रिंड्ट ने कहा कि इस संगठन के सदस्यों ने हमारे देश में एक काउंटर-स्टेट बनाया है और आर्थिक आपराधिक ढांचे का निर्माण किया है। हम उन लोगों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करेंगे जो हमारी स्वतंत्र लोकतांत्रिक बुनियादी व्यवस्था पर हमला करते हैं। यह समूह देश के तथाकथित रीच सिटिजन या रीच्सबर्गर आंदोलन का हिस्सा है। इसका दावा है कि ऐतिहासिक जर्मन रीच देश में अभी भी मौजूद है और यह मौजूदा लोकतांत्रिक सरकार या इसकी संसद, कानूनों और अदालतों को मान्यता देने से इनकार करता है। इसके सदस्य कर या जुर्माना देने से भी इनकार करते हैं।

सिगरेट की डिब्बी पर ऊंगलियों के निशान से 50 साल बाद पकड़ा गया हत्यारोपी

कैलिफोर्निया , एजेंसी। कैलिफोर्निया अमेरिका में करीब 50 साल बाद एक हत्या के आरोपी को पकड़े जाने का मामला सामने आया है। दरअसल साल 1977 में कैलिफोर्निया की एक महिला जीनेट राल्सटन की गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी। जीनेट का शव उसकी कार की सीट से बरामद हुआ था। अब इस मामले में ओहायो के जेफरसन को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दरअसल जीनेटे के शव के पास कार से एक सिगरेट की डिब्बी मिली थी, जिस पर हत्यारोपी के ऊंगलियों के निशान थे। जीनेट की हत्या के कई वर्ष बीत जाने के बाद भी हत्यारे का कोई सुराग नहीं मिल पाया था। बीते दिनों कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने एफबीआई के अपडेट डेटा से फिंगर प्रिंट मैच करने की मांग की। इसी मैचिंग के दौरान ओहायो के जेफरसन के फिंगर प्रिंट सिगरेट के डिब्बे पर मिले फिंगर प्रिंट से मैच कर गए, जिसके बाद जेफरसन को गिरफ्तार कर लिया गया।

बलूचिस्तान की कशिश पहली हिंदू सहायक आयुक्त

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान की कशिश चौधरी बलूचिस्तान में सहायक आयुक्त बनने वाली पहली हिंदू महिला बन गई हैं। नौशिकी निवासी कशिश ने बलूचिस्तान लोक सेवा आयोग परीक्षा पास की है। वह राजधानी क्वेटा में बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती से मिलीं। कशिश ने मुख्यमंत्री से कहा कि वह महिला सशक्तीकरण, अल्पसंख्यकों के उत्थान और बलूचिस्तान के विकास के लिए काम करना चाहती हैं।

अमेरिका-सऊदी अरब में 12.1 लाख करोड़ रुपए की डिफेंस डील

यूएस ने इतिहास का सबसे बड़ा समझौता बताया, ट्रम्प का राष्ट्रपति बनने के बाद पहला विदेशी दौरा

रियाद, एजेंसी। अमेरिका और सऊदी अरब ने मंगलवार को 142 बिलियन डॉलर (12.1 लाख करोड़ रुपए) की डिफेंस डील पर साइन किए। व्हाइट हाउस ने इसे इतिहास की सबसे बड़ी डिफेंस डील बताया है। इस समझौते में सऊदी अरब को सी-130 ट्रांसपोर्ट विमान, मिसाइलें, रडार सिस्टम और कई एडवांस हथियार दिए जाएंगे। ये लॉकहीड मार्टिन, बोइंग, और नॉर्थरॉप ग्रुम्मन जैसी अमेरिकी कंपनियों से मिलेंगे। डोनाल्ड ट्रम्प राष्ट्रपति बनने के बाद अपने पहले आधिकारिक विदेश दौरे पर सऊदी अरब पहुंचे। वे चार दिन के मिडिल ईस्ट दौरे पर पहले सऊदी अरब पहुंचे हैं, फिर कतर और यूएई जाएंगे।

ट्रम्प ने फिर लिया भारत पाकिस्तान सीजफायर का क्रेडिट : क्राउन प्रिंस एमबीएस से मुलाकात के बाद ट्रम्प ने रियाद में सऊदी-अमेरिका इन्वेस्टमेंट फोरम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सऊदी और अमेरिका के बीच 80 साल की साझेदारी का जिक्र किया।

इन्वेस्टमेंट फोरम से ट्रम्प के भाषण की प्रमुख बातें... भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर को लेकर ट्रम्प ने कहा कि कुछ ही दिन पहले ही मेरी सरकार ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर मध्यस्थता की। मैंने ऐसा करने के लिए व्यापार का इस्तेमाल किया। ट्रम्प ने फोरम के मंच से घोषणा की कि वह सीरिया से लगे प्रतिबंध हटा रहे हैं, ताकि देश को आर्थिक जीवनदान मिल सके। ट्रम्प बुधवार को सीरिया के नए राष्ट्रपति से भी मिलेंगे। ट्रम्प ने कहा वो ईरान के साथ समझौता करना चाहते हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उनका प्रस्ताव ठुकराया गया तो वो ईरान का ऑयल एक्सपोर्ट जीरो कर देंगे। ट्रम्प ने कहा- उन्हें उम्मीद है कि सऊदी अरब भी अब्राहम अकॉर्ड में शामिल होगा। यह समझौता 2020 में अमेरिकी की मध्यस्थता में इजराइल, यूएई, बहरीन, सूडान और मोरक्को के बीच हुआ था। इजराइल-गाजा वॉर को लेकर ट्रम्प ने कहा कि गाजा के लोग बेहतर भविष्य के हकदार हैं, लेकिन ऐसा तब तक नहीं होगा जब तक उनके नेता निर्दोष लोगों पर अत्याचार बंद नहीं करते। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका यमन के हूती विद्रोहियों के खिलाफ मिलिट्री ऑपरेशन बंद कर देगा। अमेरिकी सेना ने मार्च में हूती लड़ाकों के खिलाफ 1100 से ज्यादा हमले किए थे। यूक्रेन युद्ध को लेकर ट्रम्प ने कहा कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो इस लड़ाई को खत्म करने के तरीके पर बातचीत के लिए गुरुवार को इस्तांबुल पहुंचेंगे। यहां पुतिन और जेलेंस्की की मुलाकात हो सकती है। ट्रम्प बोले- सऊदी प्रिंस उम्र से ज्यादा होशियार

सऊदी अरब के दौरे पर पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) की

तारीफ की है। ट्रम्प ने क्राउन प्रिंस को लेकर कहा- मुझे सच में लगता है कि हम एक-दूसरे को बहुत पसंद करते हैं। ट्रम्प ने कहा कि वह मोहम्मद बिन सलमान को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं और उनसे बहुत प्रभावित हैं। एमबीएस अपनी उम्र से कहीं ज्यादा होशियार हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उनके दौरे से पहले देश में 20 लाख नौकरियों की चर्चा हो रही थी। अमेरिका में सऊदी निवेश की सराहना करते हुए ट्रम्प ने कहा कि इससे बहुत ज्यादा नौकरियां पैदा होंगी। ट्रम्प ने कहा- हमारे यहां दुनिया के सबसे बड़े बिजनेस लीडर्स हैं। वे बहुत सारे चेक लेकर जाने वाले हैं। ट्रम्प सऊदी से मिलने वाले 600 अरब डॉलर (50 लाख करोड़ रुपए) के निवेश को लेकर यह बोल रहे थे। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि उन्हें यकीन है कि यह निवेश '1 ट्रिलियन डॉलर' हो जाएगा। दरअसल, ट्रम्प के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद सऊदी अरब ने 4 साल में अमेरिका में 600 अरब डॉलर के निवेश का ऐलान किया था। ट्रम्प और सलमान ने मंगलवार को रियाद में एक स्ट्रैटजिक इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट पर दस्तखत किया। इस साझेदारी में ऊर्जा, खनन और रक्षा के लिए समझौते शामिल हैं। इसके बारे में पूरी जानकारी अभी नहीं आई है।

ट्रम्प ने 2017 में सऊदी जाकर परंपरा तोड़ी : अमेरिका में राष्ट्रपति बनने के बाद कनाडा-मेक्सिको या फिर यूरोपीय देश की यात्रा करने की परंपरा है। बराक ओबामा ने पहले विदेशी दौरे पर कनाडा की यात्रा की थी। उनसे पहले जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने अपने पहले विदेशी दौरे पर मेक्सिको की यात्रा की थी। ट्रम्प ने 2017 में राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले सऊदी अरब पहुंच कर इस परंपरा को तोड़ा था। पिछले राष्ट्रपति जो बाइडेन अपने पहले दौरे पर ब्रिटेन गए थे।

दूसरी बार राष्ट्रपति बनने पर ट्रम्प ने सबसे पहले एमबीएस को फोन किया : ट्रम्प ने दूसरी बार राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद सबसे पहले सऊदी प्रिंस सलमान को ही फोन किया था। शपथ ग्रहण के कुछ दिन बाद ट्रम्प से उनके पहले विदेशी दौरे को लेकर मीडिया ने सवाल किया था। इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा था कि जो देश अमेरिका में सबसे ज्यादा निवेश करेगा, वे वहां का पहला दौरा करेंगे। इसके बाद सऊदी सरकार ने एक बयान जारी कर कहा था कि उनका देश अगले चार सालों के भीतर अमेरिका में 600 अरब डॉलर (50 लाख करोड़ रुपए) के निवेश के लिए तैयार है। हालांकि ट्रम्प ने कहा था कि वो इसे बढ़ाकर 1 ट्रिलियन डॉलर होते देखना चाहते हैं, जिसमें ज्यादा से ज्यादा अमेरिकी मिलिट्री इक्विपमेंट की खरीद भी शामिल है। सऊदी अरब के सॉवरेन वेल्थ फंड और पब्लिक इन्वेस्टमेंट फंड (पीआईएफ) में 925 अरब डॉलर की भारी भरकम रकम है। सऊदी ने इसके जरिए पहले ही अमेरिका में कई इन्वेस्टमेंट कर रखे हैं। वहीं, यूएई ने भी अगले 10 साल में अमेरिका के एआई, सेमीकंडक्टर, एनर्जी और इन्फ्रा सेक्टर में 1.4 ट्रिलियन डॉलर निवेश करने की इच्छा जताई है।

ट्रम्प के सऊदी अरब से अच्छे रिश्ते : ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान सऊदी अरब समेत खाड़ी देशों के साथ बेहतर रिश्ते कायम किए थे। ट्रम्प के पद छोड़ने के बाद भी सऊदी अरब ने ट्रम्प के दामाद और पूर्व सहयोगी जेरेड कुशनर की एक फर्म में 2 अरब डॉलर (17 हजार करोड़ रुपए) का निवेश किया था। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि जब जमाल खशोगी की हत्या के बाद सऊदी अरब और अमेरिका के संबंधों पर असर पड़ा तो कुशनर ने इसे संभालने में मदद की थी। ट्रम्प सऊदी अरब की यह यात्रा ऐसे मौके पर कर रहे हैं, जब उनके टैरिफ ने दुनिया भर में उथल-पुथल मचा रखी है। इस साल के शुरुआती तीन महीनों में अमेरिका के आर्थिक प्रोडक्शन में गिरावट आई है, जो पिछले तीन सालों में पहली गिरावट है। इजराइल-सऊदी अरब के बीच रिश्ता बेहतर करना चाहते हैं ट्रम्प ट्रम्प ने पिछले कार्यकाल में सऊदी अरब और इजराइल के बीच रिश्ते बेहतर करने की कोशिश की थी। ट्रम्प चाहते हैं कि सऊदी अरब, इजराइल को मान्यता दे। वहीं सऊदी अरब का कहना है कि पहले फिलिस्तीन अलग देश बने जिसकी राजधानी पूर्वी यरुशलम हो और उनके बीच सीमा 1967 से पहले जैसी हो। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रम्प ने उम्मीद जताई है।

पूर्व हमास लीडर याह्या सिनवार के भाई की इजराइली हवाई हमले में मौत

गाजा , एजेंसी। इजराइली फाइटर जेट्स ने मंगलवार शाम को दक्षिणी गाजा के खान यूनिस पर बमबारी की। इस हमले में हमास नेता याह्या सिनवार के भाई मोहम्मद सिनवार की मौत हो गई। न्यूयॉर्क टाइम्स ने यह खबर दो इजराइली अधिकारियों के हवाले से दी है। याह्या सिनवार अक्टूबर 2023 में इजराइल पर हुए हमलों का मास्टरमाइंड था। उसकी पिछले साल इजराइली हमले में मौत हो गई थी। इजराइली सेना का कहना है कि उसके सैनिकों ने खान यूनिस के पास यूरोपीय अस्पताल के नीचे हमास कमांड सेंटर पर हमला किया था। अभी तक यह क्लियर नहीं हो पाया है कि हॉस्पिटल की इमारत को नुकसान पहुंचा है या नहीं।

गाजा में 5 लाख लोगों पर भुखमरी का संकट, 3 महीने से अनाज का एक दाना भी नहीं पहुंचा

गाजा, एजेंसी। गाजा में बीते 19 महीनों से जारी जंग के बीच 5 लाख लोगों पर भुखमरी का संकट पैदा हो गया है। इजराइल ने पिछले तीन महीने से गाजा पट्टी में अनाज की सप्लाई पर रोक लगा रखी है। गाजा के हालात पर 12 मई को संयुक्त राष्ट्र ने एक रिपोर्ट पेश की है। इसके मुताबिक अगर इजराइल पाबंदियां नहीं हटाता है तो गाजा में हर पांच में से एक व्यक्ति भुखमरी की चपेट में आ सकता है। साथ ही 21 लाख लोगों को अकाल का सामना भी करना पड़ सकता है। इजराइल ने मार्च 2025 में गाजा के अंदर फूड और फ्यूल सप्लाई रोकने का फैसला किया था। इजराइली सरकार ने दावा किया था कि इससे हमास कमजोर होगा। अक्टूबर 2023 में शुरू हुए इजराइल-हमास संघर्ष में अब तक 61 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

गाजा से महज 40 किमी की दूरी पर अनाज का स्टॉक यूएन की वर्ल्ड फूड प्रोग्राम ने कहा कि उनके पास खाने का स्टॉक खत्म हो गया है। ज्यादातर बेकरियां और दान से चलने वाले किचन बंद हो चुके हैं। गाजा के लिए यूएन के वर्ल्ड फूड प्रोग्राम (डब्ल्यूएफपी) के डायरेक्टर एंटोनी रेनार्ड के मुताबिक इस इलाके की आबादी को खिलाने के लिए जरुरी भोजन इजराइल, मिस्र और जॉर्डन के गोदामों में पड़ा है। ये गोदाम गाजा से महज 40 किमी दूर हैं। रेनार्ड ने कहा कि गाजा

में डब्ल्यूएफपी के गोदाम खाली हैं और एजेंसी अब 10 लाख लोगों को भोजन उपलब्ध कराने की बजाय सिर्फ सिर्फ 2 लाख लोगों का भोजन ही बना पा रही है। यूएन और यूरोपीय देशों ने इजराइल से गाजा पट्टी में भुखमरी और अकाल की स्थितियों से निपटने के लिए गाजा को खाना पहुंचाने पर लगी रोक को जल्द खत्म करने की मांग की है। अगर इजराइल ने सैन्य कार्रवाई बढ़ाई, तो ज्यादातर लोगों को खाना, पानी, आश्रय और दवाइयां नहीं मिलेंगी। बेंजामिन नेतन्याहू- हमास को खत्म करने के लिए जंग जारी रखेंगे इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने 13 मई को एक बयान में कहा कि वे हमास को खत्म करने के लिए जंग जारी रखेंगे। दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गाजा में खाना पहुंचाने के लिए एक नई योजना का सुझाव दिया, जिसमें निजी संगठन कुछ चुनिंदा जगहों पर खाना बांटेंगे। यूएन ने इस योजना को खारिज कर दिया, क्योंकि इससे लोगों को खाना पाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ेगी।

बहामास में भारतीय मूल के अमेरिकी छात्र की मौत; होटल की बालकनी से गिरा, ग्रेजुएट सेरेमनी से पहले हादसा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के मैसाचुसेट्स राज्य में पढ़ाई कर रहे एक भारतीय मूल के छात्र की बहामास में एक होटल की बालकनी से गिरने से मौत हो गई। यह दुखद हादसा तब हुआ जब छात्र स्नातक होने से बस कुछ दिन दूर था। मृतक छात्र की पहचान गौरव जयसिंह के रूप में हुई है, जो मैसाचुसेट्स के वॉल्थम स्थित बेंटली यूनिवर्सिटी में पढ़ते थे। वे बहामास में अपनी यूनिवर्सिटी के सीनियर क्लास ट्रिप पर गए हुए थे। रविवार, 11 मई को हुए इस हादसे में उनकी मौत हो गई।

बेंटली यूनिवर्सिटी ने जताया शोक : बेंटली यूनिवर्सिटी ने सोशल मीडिया पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, गौरव जयसिंह की दुखद मृत्यु से पूरा कैंपस गहरे शोक में है। यह कुछ बहुत ही मुश्किल दिन रहे हैं। हमारी संवेदनाएं गौरव के परिवार और दोस्तों के साथ हैं। हम उन्हें 17 मई को होने वाले स्नातक समारोह में सम्मानित करेंगे। यूनिवर्सिटी ने आगे कहा कि वे इस हादसे से प्रभावित छात्रों को मानसिक सहयोग देने के लिए काउंसलिंग सुविधा भी उपलब्ध करा रही है। मामले में की जांच में जुटी स्थानीय पुलिस वहीं इस मामले में

बहामास पुलिस ने बताया कि गौरव जयसिंह होटल के कमरे में अपने दोस्तों के साथ थे, जब वह ऊपरी मंज़िल की बालकनी से अचानक गिर गए। करीब रात 10 बजे यह हादसा हुआ। उन्हें निचली मंजिल पर बेहोशी की हालत में पाया गया। आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि जांच अभी जारी है, लेकिन शुरुआती रिपोर्ट में यह एक हादसा बताया गया है। इस हफ्ते ग्रेजुएट होने वाला था छात्र जानकारी के मुताबिक, छात्र गौरव जयसिंह अमेरिका के श्रूजबरी, मैसाचुसेट्स के निवासी थे। वो बेंटली यूनिवर्सिटी में डेल्टा सिग्मा पाई फ्रैटर्निटी का सदस्य भी था और साउथ एशियन स्टूडेंट्स एसोसिएशन से भी जुड़ा हुआ था। उनकी पढ़ाई लगभग पूरी हो चुकी थी और वो इस सप्ताह ग्रेजुएट होने वाला था। पूरी यूनिवर्सिटी और भारतीय-अमेरिकी समुदाय ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है।

ब्रिटेन पीएम स्टार्मर की नई इमिग्रेशन पॉलिसी; 5 की जगह 10 साल तक रहने वालों को ही मिलेगी स्थाई नागरिकता

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर ने नई इमिग्रेशन पॉलिसी की घोषणा की। इससे ब्रिटेन में स्थायी रूप से रहना और कठिन हो गया है। स्थायी निवास के लिए आवेदन करना हो तो प्रवासी को अब 10 साल ब्रिटेन में ही रहना अनिवार्य होगा। पहले यह अवधि सिर्फ 5 साल के लिए थी। ब्रिटिश पीएम की इस घोषणा का असर भारतीय नागरिकों को भी पड़ेगा, जिनकी ब्रिटेन में बड़ी संख्या है। साल 2023 में करीब ढाई लाख भारतीय पढ़ाई और काम के सिलसिले में ब्रिटेन आए थे। ब्रिटिश पीएम की घोषणाओं के अनुसार, सभी वीजा आवेदकों के लिए अंग्रेजी भाषा की आवश्यकताओं को कड़ा किया गया है। ब्रिटिश पीएम की घोषणाओं में केयर सेक्टर में विदेशी कर्मचारियों की भर्ती पर रोक लगाई गई है। स्नातक वीजा धारकों के लिए पढ़ाई के बाद ब्रिटेन में ही रहने की अवधि जो पहले 2 साल की थी, उसे घटाकर डेढ़ साल कर दिया गया है। अब स्किल्ड वीजा के लिए सिर्फ ए लेवल नहीं, डिग्री लेवल की योग्यता आवश्यक होगी।

कान्स में यूक्रेन की तीन फिल्में :कान्स, एजेंसी। फ्रांस के कान्स शहर में 78वें कान फिल्म महोत्सव की शुरुआत मंगलवार को हुई। मंगलवार को जूलियट बिनोचे की 'जूरी' का अनावरण किया गया। यूक्रेन के समर्थन में तीन फिल्मों के प्रदर्शन और रात्रिकालीन शुरुआती फिल्म अमेली बोनिन की फ्रेंच रोमांस 'लीव वन डे' के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। अगले 12 दिनों में कान कई फिल्मों की मेजबानी करेगा, जिनमें 'मिशन=इम्पॉसिबल - द फाइनल रिकोकिंग', स्पाइक ली की 'हाईएस्ट 2 लोएस्ट' और एरी एस्टर की 'एडिंगटन' शामिल हैं। पुरस्कार में 22 फिल्में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

अनीता आनंद कनाडा सरकार में संभालेंगी विदेश मंत्री का पद, भगवद गीता पर हाथ रखकर ली शपथ

ओटावा, एजेंसी। कनाडा की नई सरकार में भारतीय मूल की अनीता आनंद को अहम जिम्मेदारी दी गई है। मार्क कार्नी की कैबिनेट में अनीता आनंद को विदेश मंत्री का पद दिया गया है। लिबरल पार्टी की वरिष्ठ नेता अनीता इससे पहले भी कनाडा की सरकार में रक्षा मंत्री की अहम जिम्मेदारी संभाल चुकी हैं। अब वे मेलिनी जॉली की जगह लेंगी। मेलिनी जॉली को नई सरकार में उद्योग मंत्री बनाया गया है। कनाडा की 58 वर्षीय राजनेता अनीता आनंद ने हिंदू धर्मग्रंथ भगवद गीता पर हाथ रखकर पद की शपथ ली। पूर्व में भी जब अनीता आनंद कनाडा सरकार का हिस्सा बनीं थी, तब भी अनीता ने भगवद गीता पर हाथ रखकर ही पद और गोपनीयता का शपथ ली थी।

मार्क कार्नी की कैबिनेट में अनुभव और विविधता का मिश्रण : विदेश मंत्री पद की शपथ लेने के बाद अनीता आनंद ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि कनाडा की नई विदेश मंत्री बनकर मैं सम्मानित महसूस कर रही हूं। मैं प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और अपनी टीम के साथ मिलकर सुरक्षित, निष्पक्ष दुनिया का निर्माण करने और कनाडा के लोगों की सेवा करने की तरफ देख रही हूं। मार्क कार्नी की कैबिनेट में 28 मंत्री हैं। मार्क कार्नी ने दिखाया है कि वह जस्टिन ट्रूडो युग का अनुसरण करने

के बजाय नई शुरुआत करना चाहते हैं। कैबिनेट में अनुभव और विविधता का पूरा ख्याल रखा गया है। कैबिनेट में आधी महिलाएं हैं।

कौन हैं अनीता आनंद : भारतीय मूल की अनीता आनंद का जन्म 20 मई 1967 को कनाडा के नोवा स्कोटिया के कैंटविले इलाके में हुआ था। अनीता के माता-पिता सरोज डी राम और एसवी आनंद 1960 के दशक में भारत से कनाडा आकर बसे थे और दोनों पेशे से डॉक्टर थे। अनीता की मां का ताल्लुक पंजाब से और पिता का तमिलनाडु से है। अनीता की दो बहनें गीता और सोनिया भी हैं। साल 1985 में अनीता आनंद ओंटारियो शिफ्ट हो गईं, जहां उन्होंने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से राजनीति विज्ञान से स्नातक की पढ़ाई की। इसके बाद अनीता ने डलहौजी यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ टोरंटो से मास्टर की डिग्री हासिल की। अनीता आनंद ने कानून, शिक्षा और जनसेवा जैसे क्षेत्रों में काम किया। अनीता आनंद ने साल 1995 में जॉन नोल्टन से शादी की, जो एक कनाडाई वकील हैं। दोनों के चार बच्चे हैं और फिलहाल वे ओकविले में रहती हैं। कनाडा की सरकार में सेवाएं देने वाली अनीता आनंद पहली हिंदू नेता हैं। कनाडा की रक्षा मंत्री रहने के दौरान उन्होंने कई ऐसे काम किए, जिनके चलते उन्हें खासी लोकप्रियता मिली।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

1 करोड़ की ठगी के मामले में बीजेपी नेता दिलीप गोहिल गिरफ्तार

भाजपा नेता पराक्रमसिंह जाडेजा सहित दो लोगों पर ठगी का आरोप,दुबई से लौटते समय दबोचा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मोरबी के मूल मालिक की सुखलीपुरा स्थित संपत्ति को 1.45 करोड़ रुपये में बेचने का झांसा देकर भाजपा नेता दिलीपसिंह गोहिल सहित दो व्यक्तियों ने भाजपा के कॉर्पोरेटर पराक्रमसिंह जाडेजा से 21 लाख रुपये ठगे। दोनों ठगों ने मालिक के बजाय नकली व्यक्ति को बिक्री दस्तावेज पर मौजूद रखा और उसकी हस्ताक्षर भी करवा ली। लेकिन कॉर्पोरेटर ने मालिक को दिया गया चेक जमा नहीं होने पर शक जताया और दोनों की धोखाधड़ी का खुलासा हो गया। कॉर्पोरेटर ने समा पुलिस स्टेशन में भाजपा कार्यकर्ता समेत तीन आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। आरोपित भाजपा नेता दिलीपसिंह गोहिल पहले वडोदरा नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के चेयरमैन रह चुके हैं। भाजपा कॉर्पोरेटर के अलावा एक अन्य व्यक्ति ने भी दिलीपसिंह गोहिल के खिलाफ जमीन बेचने के नाम पर ठगी की शिकायत दर्ज करवाई है।

वडोदरा शहर के समा इलाके में चेतक ब्रिज के पास स्थित सोमनाथ विला में रहने वाले और वडोदरा नगर निगम में म्युनिसिपल काउंसिलर पराक्रमसिंह अजीतसिंह जाडेजा (उम्र 62) भाजपा कार्यकर्ता दिलीपसिंह गोहिल को कई वर्षों से जानते हैं। दिलीपसिंह ने वर्ष 2023 में कमलेश लालजी देत्रोजा से पराक्रमसिंह की पहचान करवाई थी।

वर्ष 2024 में वडोदरा के सुखलीपुरा गांव में एक जमीन थी, जिसके मालिक परेचा अमृतलाल नरभेराम (लखनऊनगर, मोरबी निवासी) हैं। कमलेश ने पराक्रमसिंह को बताया कि इस संपत्ति के मालिक अमृतलाल उनके चाचा हैं और उन्होंने उन्हें जमीन बेचने का अधिकार भी दिया है।

इसके अलावा कमलेश देत्रोजा और दिलीपसिंह गोहिल साझेदार बने और इस जमीन को 1.45 करोड़ रुपये में बेचने का फैसला किया। जिसमें 11 लाख रुपये कमलेश को और 10 लाख रुपये दिलीपसिंह को देने थे, बाकी 1.24 करोड़ रुपये दस्तावेज बनाने के समय 18 महीनों में देने थे।

इसलिए काउंसिलर ने दोनों को 21 लाख रुपये दे दिए और विक्रय दस्तावेज बनाने के लिए असली मालिकों को बुलाने को कहा। तब दोनों आरोपियों ने कहा कि जमीन के मालिक बीमार हैं इसलिए दस्तावेज़ बनाने नहीं आ सकते। उन्होंने कहा कि जैसे ही चाचा ठीक होंगे, दस्तावेज बनाएंगे। इसके बाद दोनों आरोपियों ने दस्तावेज तैयार कर काउंसिलर से हस्ताक्षर करवा लिए।

इसके बाद उनकी गैर मौजूदगी में जमीन के मालिक अमृतलाल नरभेराम परेचा नाम के नकली व्यक्ति ने आधार कार्ड और पैन कार्ड के साथ मौजूद होकर दस्तावेज़ की प्रक्रिया पूरी की। काउंसिलर ने दस्तावेज जांचे तो आधार और फोटो संदिग्ध लगे। दस्तावेज भी जांचने पर पता चला कि पैन कार्ड के आधार पर नकली व्यक्ति को खड़ा किया गया था और असली मालिक की गलत हस्ताक्षर करवाई गई। काउंसिलर ने दोनों ठगों कमलेश लालजी देत्रोजा (अटलदरा निवासी), भाजपा कार्यकर्ता दिलीपसिंह गोहिल गणपतसिंह गोहिल (न्यू अलकापुरी, गोत्री निवासी) और गलत हस्ताक्षर करने वाले जमाजी पंजारजी सोढ़ा के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज करवाई है।

दुबई से आते ही अहमदाबाद एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया गया इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था, लेकिन दिलीपसिंह गोहिल फरार था। उसे आज अहमदाबाद एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया। वडोदरा पुलिस के इको सेल ने आज अहमदाबाद एयरपोर्ट पर जाकर आरोपी को गिरफ्तार किया और वडोदरा लाया। वडोदरा लाने के बाद आरोपी को सयाजी अस्पताल में मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया। आरोपी पिछले चार महीने से दुबई में फरार था और उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया था, जिसके कारण अहमदाबाद एयरपोर्ट प्राधिकरण ने उसे पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। वडोदरा के निकट सुखलीपुरा में स्थित जमीन को डेढ़ करोड़ रुपये में बेचने के बहाने वडोदरा नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के पूर्व चेयरमैन और भाजपा नेता दिलीपसिंह गोहिल तथा कमलेश देत्रोजा ने मिलकर पुजारी से 1.04 करोड़ रुपये ठग लिए थे और जमीन के दस्तावेज भी नहीं बनवाए थे। इस मामले में दोनों आरोपियों के खिलाफ वडोदरा क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने कमलेश देत्रोजा को गिरफ्तार किया था, लेकिन इस मामले में भी दिलीपसिंह गोहिल फरार था।

गरीब और श्रमिक वर्ग के लोगों के लिए 'लोन मेले' का आयोजन किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में सूदखोरों के चंगुल में फंसे नागरिकों को मुक्ति दिलाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए शहर पुलिस ने गरीब और श्रमिक वर्ग के लोगों के लिए राहत स्वरूप च्लोन मेलाज्ञ का आयोजन किया। डीसीपी जोन-2 के मार्गदर्शन में उधना इलाके में पालिका के कम्युनिटी हॉल में आयोजित इस लोन मेले में 22 लाभार्थियों को तत्काल 15 लाख रुपये तक की लोन मंजूर कर चेक सौंपे गए। इसके अलावा 100 से अधिक नागरिकों की लोन से संबंधित प्रक्रियाएं जारी रखी गई हैं।

सूरत पुलिस आयुक्त के मार्गदर्शन में लोन मेले का आयोजन किया गया।

राज्य के गृह मंत्री के आदेश के अनुपालन में गुजरात पुलिस ने राज्यभर में सूदखोरों के खिलाफ पहले सख्त कार्रवाई की थी, जिसके चलते कई सूदखोर भूमिगत हो गए थे। इसके बावजूद, ऐसे शोषण से लोगों को बचाने के लिए पुलिस द्वारा बैंकों के साथ समन्वय करते हुए लोन मेले आयोजित किए जा रहे हैं। सूरत शहर के पुलिस आयुक्त अनुपमसिंह गेहलोत के मार्गदर्शन में डीसीपी ज़ोन-2 के अधिकारियों ने उधना में इस लोन मेले का आयोजन किया।

पुलिस ने 22 लाभार्थियों को 15 लाख रुपये तक की लोन मंजूर की है, जबकि 100 से अधिक आवेदन प्रक्रिया में हैं।

पुलिस, बैंक और नागरिकों का समन्वय

इस लोन मेले में शहर के पुलिस आयुक्त अनुपमसिंह गेहलोत, डीसीपी भगीरथसिंह गढ़वी, एसीपी चिराग पटेल सहित छह पुलिस थानों के पीआई और पुलिस स्टाफ उपस्थित रहे।

लोन मेले का मुख्य आकर्षण सूटेक्स को-ऑपरेटिव बैंक द्वारा मौके पर ही 22 नागरिकों को 10,000 से लेकर 1,00,000 तक की लोन मंजूरी देने की सेवा रही। इन सभी लाभार्थियों को चेक का वितरण पुलिस आयुक्त के हाथों किया गया।

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के कई नागरिकों ने हिस्सा लिया

इस मेले में महिलाएं, सब्जी की ठेली चलाने वाले, छोटे व्यवसाय करने वाले और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के कई नागरिक मौजूद थे। पुलिस आयुक्त द्वारा भी सार्वजनिक रूप से स्पष्ट संदेश दिया गया कि शहर में किसी भी नागरिक को लोन की जरूरत हो तो वे सीधे पुलिस से संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं। पुलिस ऐसे लोगों को लोन संस्थानों तक पहुंचाकर नियमित और व्यवस्थित तरीके से लोन दिलाने में मदद करेगी।

पार्क करने के कुछ ही मिनटों में BMW में आग लग गई।

सूरत में चालक लग्ज़री कार से उतरकर दुकान में गया और कार में आग लग गई

फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में आग लगने की घटनाओं में दिन-ब-दिन वृद्धि हो रही है। इसी क्रम में बमरौली क्षेत्र के कॉमन सर्कल गूडलक कॉम्पाउंड में एक क्रुङ्ख लग्जरी कार में आग लग गई। पार्क की गई कार में अचानक आग लगने से आसपास अफरातफरी मच गई। आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक पूरी कार आग की लपटों में घिर कर राख हो चुकी थी।

पाल आरटीओ के पास शालीग्राम हाइट्स में रहने वाले राजेशभाई अजमेरा अपनी क्रुङ्ख डीजल कार लेकर दोस्तों के साथ कॉमल सर्कल मनहर डाइंग के पीछे अपने मित्र की दुकान गए थे। उन्होंने इलेक्ट्रिक डीपी के करीब अपनी कार पार्क की थी, जो कि डीपी से लगभग 15 फुट दूर थी। इसके बाद वे मित्र की दुकान में गए थे। वे अभी दुकान में ही बैठे थे कि बाहर पार्क की हुई उनकी कार अचानक भड़की और जलने लगी। रहस्यमय तरीके से लगी आग कार में आग लगने की सूचना पाते ही वे तुरंत मौके पर पहुंच गए। घटना की जानकारी मिलते ही फायर टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया। हालांकि, फायर टीम के पहुंचने तक पूरी कार आग की लपटों में घिर गई थी और पूरी तरह जलकर राख हो गई थी। कार में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी या किसी अन्य कारण से, इस बात का अभी पता नहीं चल पाया है और मामला रहस्यमय बना हुआ है। सौभाग्य से इस घटना में किसी को कोई चोट या जान-माल का नुकसान नहीं हुआ।

नवजात शिशु को मृत बताकर सौंप देने का परिवार का आरोप

सूरत सिविल अस्पताल में डॉक्टर की गंभीर लापरवाही के आरोपों के साथ हंगामा;डॉक्टर ने कहा-'शायद गलतफहमी हुई होगी'

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवजात शिशु को मृत घोषित कर उन्हें सौंप दिया, जबकि शिशु में जीवन के लक्षण थे। इस गंभीर आरोप के बाद परिजनों में आक्र गया और अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया जा रहा है। पूरा मामला अब जांच के घेरे में है और स्वास्थ्य विभाग से लेकर पुलिस तक इस पर कार्रवाई की तैयारी में जुट गई है।

सूरत सिविल अस्पताल में नवजात शिशु को मृत घोषित कर परिजनों को सौंपे जाने के मामले में बड़ा हंगामा देखने को मिला। परिजनों ने डॉक्टर पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया और अस्पताल में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस पर डॉक्टर ने सफाई देते हुए कहा कि च्शायद कोई गलतफहमी हुई होगी।ज्ञ

इस मामले को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने भी जांच शुरू कर दी है, जबकि पुलिस ने भी परिजनों के बयान लिए हैं। फिलहाल नवजात की स्थिति और अस्पताल की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सूरत शहर के कादरशाह की नाल इलाके की एक महिला को प्रसव के लिए भर्ती किया गया था और बीती रात उसकी डिलीवरी हुई, जिससे उसने एक नवजात को जन्म दिया। हालांकि, परिवारजनों का आरोप है कि नवजात जीवित था, फिर भी डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर उन्हें सौंप दिया।

इस बात को लेकर परिवार ने अस्पताल में हंगामा खड़ा कर दिया, जिससे उच्च अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई।

हालांकि, बाल रोग विभाग के ।ह्रष्ठ ने स्पष्ट किया कि बच्चे को मृत कहकर परिवार को सौंपने की बात में गलतफहमी हुई है और इसकी सही स्थिति की जांच की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सूरत शहर के कादरशाह की नाल इलाके में रहने वाली आफरीन आबिद शेख गर्भवती थीं। कल परिवारजन उन्हें नई सिविल अस्पताल लेकर गए थे, जहाँ उन्हें प्रसूति के लिए गायनेकोलॉजी विभाग में भर्ती कराया गया। बीती रात सिजेरियन डिलीवरी के जरिए उन्होंने एक नवजात को जन्म दिया।

हालांकि बाद में परिवारजनों ने अस्पताल में हंगामा मचाया और डॉक्टरों पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए।

बच्चा जीवित था, फिर भी मृत बताकर सौंपा गया

आफरीन शेख के भाई सलीम शेख ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बीती रात 10=30 बजे उसकी बहन की सिजेरियन डिलीवरी कराई गई थी और उसने एक नवजात को जन्म दिया। डॉक्टरों ने बच्चे को मृत बताकर हमें सौंप दिया। हालांकि जब मैंने खुद बच्चे की जांच की, तो वह सांस ले रहा था और पूरी तरह जीवित था।

पांडेसरा के गेस्टहाउस-कम-होटल के कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या की हालत में लाश मिलने से हड़कंप

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत ट्रैफिक ब्रिगेड (TRB) में कार्यरत और मोटा वराछा इलाके में रहने वाली एक युवती की पांडेसरा के गेस्टहाउस-कम-होटल के कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या की हालत में लाश मिलने से हड़कंप मच गया है। मृतक युवती की शादी केवल चार महीने पहले हुई थी। पति के साथ अनबन होने के कारण वह एक महीने से पियर में आ गई थी। होटल के कमरे से संदिग्ध हालात में लाश मिलने पर परिवार वालों ने हत्या का आरोप लगाया है। परिवार का यह भी आरोप है कि कमरे में एक युवक भी मौजूद था। पुलिस ने इस मामले में आगे की जांच शुरू कर दी ।

पांडेसरा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मूल रूप से महाराष्ट्र की रहने वाली और मोटा वराछा इलाके में स्थित सुमन आवास में अपने परिवार के साथ रहने वाली 30 वर्षीय सुचिता उर्फ पायल अनिल नीमजे के माता-पिता उधना इलाके में मकान में रहते हैं। सुचिता की शादी चार महीने पहले हुई थी, लेकिन एक महीने के भीतर पति-पत्नी में झगड़े होने लगे और वह वापस पियर आ गई। पिछले दो महीनों से वह अपने पिता के मोटा वराछा में स्थित फ्लैट में रह रही थी।

11 तारीख को अपने घर से निकली, 14 तारीख को होटल से शव मिला सुचिता का पति लिफ्ट इंजीनियर के रूप में काम करता है और परिवार का गुजर-बसर चलाता है। उसकी तबादला हो चुका था, इसलिए दो दिन बाद उसे अहमदाबाद जाना था। सुचिता पिछले चार सालों से TRB जवान के रूप में सेवा दे रही थी। सुचिता मोटा वराछा में थी, उसी दौरान 11 मई को किसी का फोन आने पर वह अपने घर से बाहर निकल गई थी। इसके बाद 14 मई की शाम को पांडेसरा स्नोपार्क गेस्टहाउस-कम-होटल के कमरे नंबर 205 में लकड़ी के अलमारी के हैंडल से दुपट्टा बांधकर फांसी लगाई हुई हालत में मिली।

परिवार वालों ने मौत को लेकर शक जताया गेस्टहाउस में लटकती हालत में बेटी के मिलने के इस मामले को लेकर परिवार ने संदेह व्यक्त किया है।

सुचिता TRB के रूप में सुरत शहर के ट्रैफिक विभाग में तैनात थी। मोटा वराछा में रहने वाली सुचिता पांडेसरा के गेस्टहाउस में क्यों गई थी, यह भी जांच का विषय है।

इसके अलावा मृतक के परिवार ने इस घटना को रहस्यमय बताते हुए शक जताया है। इस मामले में पांडेसरा पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

नवसारी जिले में वारसाई विवाद में खूनी खेल खेला गया।

वांसदा के महुवास गांव में युवक ने मासूम को कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी,आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी जिले के वांसदा तालुका के महुवास गांव में पैतृक संपत्ति के विवाद ने खूनी रूप धारण कर लिया है। आदिवासी क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना में एक युवक ने अपने मामा के सिर पर कुल्हाड़ी के वार करके हत्या कर दी। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी मचा दी है।

DYSP भगीरथसिंह गोहिल ने बताया, "पैतृक संपत्ति के विवाद के कारण यह झगड़ा शुरू हुआ था, जो खूनी घटना में बदल गया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और कानूनी कार्रवाई जारी है।"

महुवास गांव के नए फलिया में रहने वाले मुकेश राणा (उम्र 55) ने अंतरजातीय विवाह कर घरजमाई के रूप में सास-ससुर के साथ रहना पसंद किया था। उनकी पत्नी अनिलाबेन गांव की थी, जिनका निधन 15 साल पहले हो चुका है। अनिलाबेन की तीन बहनें हैं, और पैतृक संपत्ति में अनिलाबेन का नाम विरासत में शामिल नहीं था। मुकेशभाई ने इस मामले को लेकर मामलतदार कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। 15 मई को नायब कलेक्टर कार्यालय में उपस्थित रहने का निर्णय लिया गया था। लेकिन 13 मई की रात इस विवाद ने भयावह रूप धारण कर लिया।

13 मई की रात मुकेशभाई परिवार के साथ बातचीत कर रहे थे। उसी दौरान शिकायतकर्ता की मौसी के बेटे उमेशभाई अरविंदभाई गांवित कुल्हाड़ी लेकर आए और मुकेशभाई के सिर के पीछे हिस्से पर वार कर दिया। कुल्हाड़ी सिर में घुसते ही मुकेशभाई लहूलुहान होकर बेहोश हो गए। इसके बाद आसपास के लोग दौड़े आए और 108 एम्बुलेंस द्वारा उन्हें वांसदा कॉटेज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतक के पुत्र अशुतोष राणा ने वांसदा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी उमेशभाई गांवित को गिरफ्तार कर लिया। वर्तमान में आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड लेने की तैयारी की जा रही है।

मामले की जानकारी देते हुए DYSP भगीरथसिंह गोहिल ने बताया कि पैतृक संपत्ति की वारसाई को लेकर यह लड़ाई शुरू हुई थी, जिसमें युवक ने